शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

-उड़ान हौसलों की

मिशन
शिक्षण
संवाद

कपिलवस्तु शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार स्मारिका

कपिलवस्तु महोत्सव में मा. मुख्यमंत्री उ.प्र. श्री योगी आदित्यनाथ जी की गरिमामयी उपस्थिति

कपिलवस्तु महोत्सव सिद्धार्थनगर में आयोजित

मिशन शिक्षण संवाद

शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार

स्मारिका

मिशन शिक्षण संवाद, उत्तर प्रदेश

प्रेरणा स्रोत

डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह
शिक्षा निदेशक, (बेसिक) उत्तर प्रदेश

संरक्षक

मनिराम सिंह,
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
सिद्धार्थनगर

संयोजक

विमल कुमार
मिशन शिक्षण संवाद

सम्पादक

डॉ. सर्वेष्ट मिश्र
बस्ती

सह-सम्पादक

प्रांजल सक्सेना -बरेली
शिवम सिंह - जौनपुर
ज्योति कुमारी -भदोही
आशीष शुक्ल -हरदोई

सलाहकार समिति

नागेंद्र प्रताप सिंह जिला समन्वयक (समेकित शिक्षा) ,सिद्धार्थनगर
सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव जिला समन्वयक (बालिका शिक्षा), सिद्धार्थनगर
विनोद कुमार -भदोही
आनन्द मिश्रा -बहराइच
अरशद सैय्यद अब्बास -रायबरेली
डॉ. अनीता मुदगल -मथुरा,
सुरेश जायसवाल -लखनऊ
राधेरमण त्रिपाठी- सिद्धार्थनगर

छायाकार

वीरेन्द्र परनामी

मुद्रक
मेट्रो प्रिन्टर्स
डी-102 महानगर लखनऊ

Disclaimer : पत्रिका में प्रकाशित समस्त लेख/सूचनायें उनके लेखकों/शिक्षकों द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारियों पर आधारित है। इससे सम्पादक मण्डल का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सम्पादक की कलम से...

– डॉ. सर्वेष्ट मिश्र

भगवान बुद्ध की पावन धरती पर सिद्धार्थनगर के कपिलवस्तु महोत्सव 2017 में प्रदेश भर के नवाचारी शिक्षकों के साथ मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार का आयोजन दिनांक 29 व 30 दिसम्बर 2017 लोहिया कला भवन व कपिलवस्तु महोत्सव कार्यक्रम स्थल, सिद्धार्थनगर में किया गया। महोत्सव एवं सेमिनार में उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को समर्पित प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राजा जय प्रताप सिंह, सांसद श्री जगदम्बिका पाल, माननीय विधायक गण श्री राघवेन्द्र सिंह जी, डॉ सतीश द्विवेदी जी, श्री श्याम धनी राही जी, श्री अमर सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति के साथ ही उनका उद्‌बोधन, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद मिला, जो कि काफी सुखद एवं उत्साहवर्धक रहा।

सेमिनार का आयोजन बेसिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 के निदेशक डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी के निर्देशन, सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी तथा बेसिक शिक्षा विभाग के सहयोग से मिशन शिक्षण संवाद टीम द्वारा किया गया। सेमिनार में प्रदेश के सभी 75 जनपदों के 162 नवाचारी व कुशल परिषदीय शिक्षकों ने अपने नवाचारी कार्यों व सफलता के अनुभवों को पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से उनके द्वारा तैयार तथा प्रयोग किए गए नवचारों, टीएलएम, शैक्षिक टूल्स आदि की को प्रर्दशनी के माध्यम प्रस्तुत किया। शिक्षकों ने बताया कि किस तरह उन्होंने अपने अपने कार्य क्षेत्र में स्वप्रेरित होकर बच्चों के भविष्य निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई है और स्वसंसाधन अपनाकर, सामुदायिक सहयोग प्राप्त कर, स्मार्ट क्लास जैसी नई तकनीको का प्रयोग कर ,नवाचारी विधाओं व शैक्षिक तकनीक के सहारे शिक्षण कर रहे हैं और और उनके नवाचार आज पूरे प्रदेश में प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं। कपिलवस्तु सेमिनार से निकला संदेश प्रदेश के बेसिक शिक्षा के नवाचारी शिक्षकों के लिए काफी प्रेरणादायी रहा और इससे प्रेरित होकर भारी संख्या में दूसरे शिक्षक साथी और अधिक मनोयोग से कार्य करने लगे है। कपिलवस्तु सेमिनार में प्रतिभागी शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत तथा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर उनके विद्यालयों के बारे में संक्षिप्त जानकारी इस स्मारिका में देने का प्रयास हमारी मिशन टीम ने किया है। विश्वास है कि यह शिक्षोन्नयन के लिए प्रभावी होगा।

सेमिनार के आयोजन की प्रेरणा व सहयोग देने वाले बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ0 सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी, सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी, मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र जी, सहायक शिक्षा निदेशक बस्ती मंडल डॉ सत्यप्रकाश त्रिपाठी जी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मनिराम सिंह जी, समस्त जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारी गण, मिशन शिक्षण संवाद के अग्रणी शिक्षक विमल कुमार जी, मिशन की टेक्निकल टीम के साथी, आयोजन में सार्थक भूमिका निभाने वाले समस्त अधिकारी गणों, शिक्षक संघ के पदाधिकारीगण, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं अन्य सभी सहयोगियों का आभार ज्ञापित करते हुए समिनार की यादों को संजोए रखने हेतु प्रकाशित हो रही इस स्मारिका में अपने लेखों के माध्यम से अपने विद्यालयों में किए गए कार्यों को रेखांकित करने वाले शिक्षक साथियों के प्रति भी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। उम्मीद है स्मारिका परिषदीय विद्यालयो के गुणवत्ता उन्नयन में सहायक सिद्ध होगी।

दिनांक– 25 मई, 2018
बस्ती

(डॉ. सर्वेष्ट मिश्र)
sarvestkumar@gmail.com

डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह

शिक्षा निदेशक (बेसिक)
उ.प्र. निशातगंज
लखनऊ।

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

संदेश

मुझे जानकर यह प्रसन्नता है कि जनपद सिद्धार्थनगर में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 29–30 दिसम्बर, 2017 की अवधि में प्राथमिक शिक्षा पर केन्द्रित नवाचारों के सन्दर्भ में सेमिनार का आयोजन किया गया है। मेरा विश्वास है कि इस अवसर पर प्रतिभागी शिक्षक–शिक्षिकाओं द्वारा विद्यालय स्तर पर किये जा रहे प्रयासों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया जायेगा जिसका लाभ अन्य शिक्षक–शिक्षिकाओं तथा अन्ततः छात्र–छात्राओं को प्राप्त होगा।

इस कार्यक्रम के आयोजन तथा ''स्मारिका'' के प्रकाशन हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

22.12.17

डा0(सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह)
शिक्षा निदेशक(बे0),उ0प्र0
निशातगंज, लखनऊ।

कुणाल सिल्कू
आई0ए0एस0

जिलाधिकारी,
सिद्धार्थनगर

संदेश

मुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता हो रही है कि जनपद सिद्धार्थनगर के स्थापना दिवस पर आयोजित कपिलवस्तु महोत्सव में मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार का जो आयोजन किया गया था उस पर मिशन शिक्षण संवाद परिवार एक स्मारिका का प्रकाशन कर रहा है। वास्तव में उक्त सेमिनार प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों द्वारा स्वप्रेरणा से शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु किए जा रहे प्रयासों का एक दर्पण था जिसका प्रस्तुतीकरण संबंधित शिक्षकों द्वारा सेमिनार में किया गया। उक्त सेमिनार के निष्कर्षों को एक साथ संकलित कर आप के समूह द्वारा मिशन शिक्षण संवाद स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

मेरी शुभकामना एवं विश्वास है कि यह स्मारिका प्रदेश के विद्यालयों एवं शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन में कारगर साबित होगी।

दिनांक– 24.05.2018

Kumar

(कुणाल सिल्कू)
जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर

मनिराम सिंह
पी0ई0एस0

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,
सिद्धार्थनगर

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

संदेश

अपार प्रसन्नता का विषय है कि मिशन शिक्षण संवाद परिवार की तरफ से जनपद सिद्धार्थनगर में आयोजित कपिलवस्तु महोत्सव में मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता समिनार का जो आयोजन किया गया था उस पर स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। सेमिनार से परिषदीय विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन में एक सकारात्मक उर्जा का संचार हुआ है। सेमिनार में प्रतिभागी शिक्षकों के शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु किए गए कार्य प्रशंसनीय है। आप के समूह द्वारा ऐसे शिक्षकों के प्रेरक कार्यों का संकलन कर मिशन शिक्षण संवाद स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है जो काफी प्रेरणादायक एवं महत्वपूर्ण कार्य है।

मेरी शुभकामना है कि मिशन शिक्षण संवाद स्मारिका प्रदेश के विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता उन्नयन में पथ प्रदर्शक हो एवं शिक्षकों में सकारात्मक उर्जा का संचार करे।

दिनांक– 24.05.2018

(मनिराम सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर

विमल कुमार
संयोजक

मिशन शिक्षण संवाद

संदेश

अपार हर्ष का विषय है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर श्री मनिराम सिंह जी के संरक्षण में कपिलवस्तु में आयोजित मिशन शिक्षण संवाद सेमिनार स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है। स्मारिका कपिलवस्तु कार्यक्रम की यादों को सहेजने के साथ ही शिक्षा की गुणवत्ता के लिए अलख जगाने में मील का पत्थर साबित होगी। निश्चय ही स्मारिका प्रकाशन का प्रयास पूरे प्रदेश में एक सकारात्मक संदेश का कार्य करेगा। स्मारिका प्रकाशन की पूरी टीम को मेरी तरफ से बहुत–बहुत बधाई के साथ हार्दिक शुभकामनाएं।

दिनांक– 15.05.2018

Vimal Kumar

(विमल कुमार)
संयोजक
मिशन शिक्षण संवाद

अनुक्रमणिका

उद्घाटन सत्र कैमरे की नजर में	09–16
मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार ...	18–20
मिशन शिक्षण संवाद क्या है?	21–22
अध्यापक जिन्होंने बदली अपने...	23–47
कपिलवस्तु महोत्सव...एक सुखद अनुभूति	49–50
मिशन शिक्षण संवाद सेमिनार मीडिया की नजर में	50–51
आओ स्वयं सहयोगी बनें	52–53
सेमिनार में प्रतिभागी शिक्षकों की सूची	54–55
सहयोग सूची	57
समापन एवं सम्मान समारोह कैमरे की नजर में	57–61
सेमिनार प्रस्तुतीकरण कैमरे की नजर में	62–67
मिशन शिक्षण संवाद जनपदीय कार्यशालायें	68–71
परिषदीय विद्यालयों में चहकता बचपन	72

माँ सरस्वती चित्र पर माल्यार्पण कर उद्‌घाटन करते विधायक डा. सतीश द्विवेदी

उ.प्र. सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राजाजय प्रताप सिंह को सम्मानित करते बीएसए सिद्धार्थनगर

विधायक श्री राघवेन्द्र सिंह को स्मृति चिन्ह प्रदान करते बीएसए श्री मनिराम सिंह

विधायक श्री सतीश द्विवेदी व विधायक श्री अमर सिंह को स्मृति चिन्ह प्रदान करते डॉ. सर्वेष्ट मिश्र

जनपद सिद्धार्थनगर के युवा आईआरएस अधिकारी को सम्मानित करते बीएसए सिद्धार्थनगर

जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू को स्मृति चिन्ह प्रदान करते बीएसए श्री मनिराम सिंह

सेमिनार संयोजक डॉ. सर्वेष्ट मिश्र को सम्मानित करते एडी बेसिक डॉ. एसपी त्रिपाठी व बीएसए सिद्धार्थनगर

एडी बेसिक गोरखपुर डॉ. एसपी त्रिपाठी को सम्मानित करते बीएसए सिद्धार्थनगर

टी.एल.एम. प्रदर्शनी का अवलोकत करते मा. मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी व अधिकारी गण

सांसद डुमरियागंज श्री जगदम्बिका पाल का स्वागत करते एडी बेसिक डॉ. एसपी त्रिपाठी

समापन सत्र में उपस्थित सांसद श्री जगदम्बिका पाल, विधायक गण
श्री राघवेन्द्र सिंह, श्री श्यामधनी राही व मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र व उपस्थित प्रतिभागी

सेमिनार में अपने विचार रखते उ.प्र. सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राजा जय प्रताप सिंह

मा. कैबिनेट मंत्री श्री राजा जय प्रताप सिंह

मा. सांसद श्री जगदम्बिका पाल

मा. विधायक डॉ. सतीश द्विवेदी

मा. विधायक श्री राघवेन्द्र सिंह

मा. विधायक श्री श्यामधनी राही

मा. विधायक श्री अमर सिंह

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार ने पूरे प्रदेश में फैलाया स्कूलों में गुणवत्ता का संदेश

- **कपिलवस्तु महोत्सव सिद्धार्थनगर में आयोजित सेमिनार में प्रदेश के सभी जनपदों के आदर्श शिक्षको ने किया प्रतिभाग और अपने नवाचारों को प्रस्तुत करते हुए लिया स्कूलो में शैक्षिक उन्नयन का संकल्प**
- **सेमिनार आयोजन से शिक्षको में हुआ सकारात्मक ऊर्जा का संचार**
- **सेमिनार आयोजन में माननीय जनप्रतिनिधियों और लोकप्रिय अधिकारियों का मिला सहयोग और पूरे प्रदेश में गूँजा भगवान बुद्ध का संदेश**

कपिलवस्तु महोत्सव 2017 में बेसिक शिक्षा विभाग सिद्दार्थनगर द्वारा आयोजित मिशन शिक्षण संवाद शैक्षिक गुणवत्ता सेमिनार पूरे प्रदेश में गुणवत्तायुक्त शिक्षा का संदेश फैला गया। खासकर प्रदेश के बेसिक शिक्षा में शैक्षिक गुणवत्ता का जो संदेश इस सेमिनार से निकला उसकी रोशनी से पूरे प्रदेश के सभी 75 जनपदों के स्कूलो में उजाला फैल रहा है। जनपद के युवा और सकारात्मक सोच के प्रतीक जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी के निर्णय और मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र के सहयोग से बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा अयोजित इस सेमिनार को कराने का जो निर्णय जिले के कर्मठ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मनिराम सिंह ने लिया उसका ताना बाना बुनने और उसे पूरा करने की महती जिम्मेदारी प्रदेश के नवाचारी शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र, प्रधनाध्यापक, आदर्श प्राथमिक विद्यालाय मूड़घाट बस्ती ने अपनी मिशन शिक्षण संवाद की टीम के साथ उठायी। इस तरह दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन दिनाँक 29 व 30 दिसम्बर 2017 को कुशलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ इटवा के विधायक डॉ सतीश द्विवेदी जी द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यर्पण व पूजन करके किया गया। जिसके बाद बीएसए श्री मनिराम सिंह, संयोजक डॉ सर्वेष्ट मिश्र द्वारा सभी अतिथियो का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। बीएसए मनिराम सिंह ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों और शिक्षको का हार्दिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किस तरह प्रदेश के सभी जनपदों में बेहतरीन कार्य कर रहे शिक्षको को एक मच देकर उन सभी अच्छे कार्यो को जनपद ही नही पूरे प्रदेश के स्कूलों में गुणवत्ता की नई अलख जगेगी।कार्यक्रम का संयोजन कर रहे डॉ सर्वेष्ट मिश्र ने सेमिनार के उद्देश्यों, नवाचारी शिक्षको के कार्यो आदि का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह सेमिनार शिक्षा जगत में एक महत्वपूर्ण कार्य के रूप में जाना जाएगा।

इस अवसर पर विधायक डॉ सतीश चंद्र द्विवेदी द्वारा प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि प्राथमिक शिक्षा किसी देश की रीढ़ होती है पर बेसिक शिक्षा को अपने यहां रीढ़ नही समझा गया। उन्होंने कहा कि कच्ची मिट्टी का घड़ा बनाना बेहद कठिन कार्य है जबकि उसमे कुछ फूल सजा देना बेहद आसान,और प्राथमिक शिक्षक कच्ची मिट्टी का घड़ा

बनाते है जबकि उच्च कक्षाओं के शिक्षक उस घड़े में फूल सजाते है। इसके साथ उन्होंने नवाचार की विस्तृत व्याख्या कर अध्यापक के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। विधायक अमर सिंह चौधरी ने कहा कि वे स्वयं एक शिक्षक रहे है इसलिए वे जानते है किस तरह स्कूलों में विभिन्न दुश्वारियों के बीच यहाँ आए नवाचारी सथियो ने कड़ी मेहनत और लगन से अपने स्कूलों को बेहतर बनाया है। प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष श्री राधे रमण त्रिपाठी ने सभी शिक्षको का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। अतिथियों के उदबोधन के बाद शिक्षको द्वारा अपने पॉवर पॉइंट प्रस्तुतिकरण देने का सिलसिला शुरू हुआ जो देर रात लगभग 9 बजे तक चलता रहा। जिसमे प्रदेश के 75 जनपदों से आये प्रतिभागियों द्वारा अपने स्कूल में किये गए अभिनव प्रयासों व उस प्रयास के फलस्वरूप विद्यालय व बच्चो में विकसित हुई उपलब्धियों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पहुँचे सेमिनार के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राजा जयप्रताप सिंह जी और जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी ने सबसे पहले प्रदेश भर के उत्कृष्ट शिक्षकों द्वारा तैयार टीएलएम की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिसके बाद बीएसए श्री मनिराम सिंह जी ने मुख्य अतिथि राजा जय प्रताप सिंह जी और जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री राजा जय प्रताप सिंह जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि शिक्षको द्वारा इतना भव्य आयोजन, उनके द्वारा बनाये गए टीएलएम और उनके स्कूलों में किए गए कार्यो से वह बहुत प्रभावित है। उन्होंने जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू, बीएसए श्री मनिराम सिंह और मिशन शिक्षण संवाद और उसकी पूरी टीम की प्रंशसा करते हुए कहा कि वे प्रयास करेंगे कि ऐसा ही एक कार्यक्रम राजधानी लखनऊ में भी हो। उन्होंने गैलरी में लगाये गए टीएलएम पर राजकुमार जी की विशेष प्रशंसा की। उन्होने शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाये जाने हेतु मिशन शिक्षण संवाद के प्रयास की सराहना करते हुए इसे और भी प्रचारित व प्रसारित करने की आवश्यकता बताते हुए एक पोर्टल बनाये जाने का प्रस्ताव रखा। जिस पर सभागार में बैठे सभी शिक्षको ने जोरदार तालियों से उनका और उनके विचारों का स्वागत किया। सेमिनार में आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी ने कहा कि इस सेमिनार से निकले निष्कर्षों से पूरी बेसिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार होगा। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षको द्वारा किये जा रहे अपने अच्छे कार्यों को शेयर करने हेतु एक पोर्टल बनाने का प्रस्ताव मिशन शिक्षण संवाद टीम को देते हुए कहा कि यदि सबकी सहमति होगी तो एनआईसी से पोर्टल बनवा दिया जाएगा। सभी ने जिलाधिकारी महोदय के इस प्रस्ताव और उनकी सकारात्मक सोच का तालियों से स्वागत किया। फिर शुरू हुआ शिक्षको का प्रस्तुतिकरण जो बीएसए और निर्णायकों की उपस्थिति में देर रात तक चलता रहा। इसी बीच मिशन के मुखिया विमल कुमार, ज्योति, शिवम, संतोष, आशीष, अवनींद्र सिंह सहित कार्यक्रम की टेक्निकल टीम ने अपने विचार व्यक्त किए।

सेमिनार के द्वितीय दिवस का प्रारम्भ अवशेष प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण के साथ प्रारम्भ हुआ और तय अवधि में सबका प्रस्तुतीकरण पूर्ण हुआ। दूसरे दिन भदोही टीम का टीएलएम लोगो के आकर्षण का केंद्र रहा। अंत मे मिशन के प्रेरणास्रोत विमल कुमार का उद्‌बोधन हुआ।

दूसरे दिन के मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जगदम्बिका पाल, डुमरियागंज के विधायक श्री राघवेंद्र सिंह जी और विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी रही जी रहे। विधायक श्री राघवेंद्र सिंह जी ने अपने उद्‌बोधन ने सेमिनार की प्रसंशा करते हुए परिषदीय स्कूलों की बेहतरी के लिए उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों की विधिवत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किस तरह वह अपने विधानसभा के एक साथ 30 स्कूलो को गोद लेकर विकसित कर रहे है और प्रदेश के सभी प्राइमरी

स्कूलों में बच्चो को बैठने के लिए सीट बेंच की व्यवस्था माननीय मुख्यमंत्री से मिलकर करवाने जा रहे हैं। उनके इन प्रयासों का सभी ने जोरदार स्वागत किया।विधायक श्यामधनी रही ने भी सेमिनार की प्रसंशा करते हुए सभी शिक्षको को बधाई दी। मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र ने सेमिनार के आयोजन की सार्थकता को रेखांकित करते हुए सभी शिक्षको का आभार ज्ञापन किया और सभी को कपिलवस्तु का भ्रमण कराने की व्यवस्था किया।

सभी अतिथियों ने सेमिनार की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि कपिलवस्तु महोत्सव के सभी कार्यक्रमो में यह सर्वोत्कृष्ट कार्यक्रम है और राज्य व केंद्र सरकार से ऐसे कार्यक्रम कराए जाते रहने का प्रस्ताव किया जाएगा। सेमिनार में अपने ओजपूर्ण संबोधन से सांसद श्री जगदम्बिका पाल जी ने सभी शिक्षको का मन मोह लिया। उन्होंने कहा कहा कि आज कपिलवस्तु की धरती ने पूरे प्रदेश को एक सकारात्मक व स्वस्थ परंपरा का संदेश दिया है और वे प्रदेश सरकार के उच्च अधिकारियों और माननीय मंत्रीगण को इस तरह के और आयोजन कराने की पहल करेंगे। कार्यक्रम में सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि जिस तरह इस सेमिनार में प्रदेश भर के उत्कृष्ट शिक्षको ने अपने बेहतरीन अनुभव यहाँ प्रस्तुत किये है वह काफी प्रसंशनीय है और उससे लगता है कि बहुत जल्दी ही परिषदीय विद्यालयों की खोई पहचान और प्रतिष्ठा पुनः वापस आ जायेगी। कार्यक्रम के अंत मे

आभार ज्ञापन के दौरान जिला बेसिक शिक्षाधिकारी श्री मनिराम सिंह जी ने कहा कि दो दिनों में सभी नवाचारी शिक्षकों द्वारा किये जा रहे कार्यो को लोगो ने जो देखा व सुना जो वास्तव के काफी उत्साहवर्धक और प्रशंसनीय है।उन्होंने कहा कि सभी का नवाचार जनपद के शिक्षकों के लिए मील का पत्थर साबित होगा उससे प्रेरणा लेकर यहां के शिक्षक अनुसरण कर अपने स्कूलों में शैक्षिक गुणवत्ता व भौतिक परिवेश में सुधार कर एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कार्यक्रम के अंत मे 17 बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले शिक्षको को कपिलवस्तु महोत्सव के मुख्य मंच से प्रस्तुतिकरण करने के लिए चुना गया जिसमें बस्ती से डॉ सर्वेष्ट मिश्र, मऊ से सतीश सिंह, सिद्धार्थनगर से दुर्गेश मिश्र, भदोही से पाल सहित विभिन्न शिक्षको ने मुख्य मंच से हजारों जनता के समक्ष अपने स्कूलो के कार्यो को पॉवरपॉइंट प्रस्तुतीकरण किया। मुख्य मंच से सेमिनार के संयोजन के लिए डॉ सर्वेष्ट मिश्र को एडी बेसिक डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, बीएसए मनिराम सिंह, प्राचार्य डायट श्री केसी भारती ने स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही मिशन शिक्षण संवाद के प्रणेता विमल कुमार जी और पूरी टेक्निकल टीम को मुख्य मंच से सम्मनित किया गया। इसके अलावा सेमिनार में प्रस्तुतिकरण देने वाले सभी प्रतिभागियों को सांसद श्री जगदम्बिका पाल, विधायक श्री राघवेंद्र सिंह, श्री श्यामधनी राही, मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल मिश्र, एडी बेसिक श्री डॉ सत्य प्रकाश त्रिपाठी, बीएसए श्री मनिराम सिंह ने मंच पर प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। आयोजन को भव्य रूप देने हेतु मिशन शिक्षण संवाद तीन जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग, जनपद के युवा और सकारात्मक सोच के जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू जी और उनकी इस सोच को साकार रूप देने ने साथ देने वाले मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्र जी और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी श्री पांडेय जी द्वारा इस भव्य आयोजन की अनुमति देने के साथ ही पूरी व्यवस्था देने, आयोजन हेतु पूरे प्रदेश से शिक्षको को भेजने तथा अपनी सकारात्मक सोच से हम सब को प्रेरित करने वाले बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी, सेमिनार के संयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ सर्वेष्ट मिश्र, विमल कुमार सहित जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारीगण, समस्त जिला समन्वयकों, शिक्षक प्रतिनिधियों, शिक्षको और इस सेमिनार में अपनी महती भूमिका निभाने वाले सभी लोगो के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है।

सौजन्य से–

टीम मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

किसी प्राणी का सुखी जीवन उसके कर्मों के संतुलन का आधार है। यदि आप सुख चाहते हैं, सम्मान चाहते हैं और जीवन में शान्ति चाहते हैं तो जीवन के प्रत्येक पक्ष का संतुलन बनाकर चलना पड़ेगा।

लेकिन विगत कुछ वर्षों से लगातार देखने को मिला कि कहीं न कहीं हम शिक्षक अपने अधिकारों और कर्तव्यों में संतुलन बनाने में चूक कर रहे हैं। हम अपने अधिकारों के प्रति सजग हुए, संगठित हुए और संघर्ष भी किये। लेकिन इस बीच यह भूल गये कि हम जिसके लिए संघर्ष कर रहे है, उसका आधार तो कही कमजोर नहीं हो रहा है। हमने अपने अधिकारों की बात तो की लेकिन एक शिक्षक के अस्तित्त्व, शिक्षण के लिए मिलने वाले समय के सदुपयोग के लिए प्रयास और बात करना भूलते चले गये। परिणाम यह हुआ कि आज हम कुशल शिक्षक के अतिरिक्त कुशल मास्टर बन गये। जो गैरशैक्षणिक कार्यों को करने में सबसे मेहनती और ईमानदार सेवक हैं।

हमारा कार्यक्षेत्र ऐसे लोगों के बीच है जो आज भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हो सके। जिसका सरकार और शासन ने पूरा लाभ उठाया। हमें मूल कार्यों से हटा कर अनेकों कार्यों का विशेषज्ञ बना दिया। हमारी कार्यकुशलता के सहयोगी प्रशिक्षण, पोस्टिंग और प्रोत्साहन को कार्य कुशलता की जगह पैसों की दृष्टि से देखा जाने लगा। बेसिक शिक्षा में कागजों के ऐसे चक्रव्यूहों की रचना की, जिसमें शिक्षक, शिक्षण को बचाने के लिए चाहकर भी बेबस नजर आने लगा।

परिणाम यह हुआ कि बेसिक शिक्षा को नकारात्मकता का प्रतीक घोषित किया जाने लगा, जबकि ऐसा था नहीं। क्योंकि किसी झूठ को भी सौ बार कहा जाए तो वह भी सत्य प्रतीत होने लगता है, यही बेसिक शिक्षा में हुआ। कुछ शिक्षकों के सहयोग से सब कुछ नकारात्मक कहा जाने लगा। इससे अपने–अपने स्वार्थ और लालच की पूर्ति हुई और बलि का बकरा बनने का जब नम्बर आया तो हमेशा की तरह कमजोर कड़ी आम शिक्षक और उसकी बेसिक शिक्षा ही बनी। जिसने काम भी किया, सम्मान और अधिकार भी नहीं मिले। शोषण का माध्यम अलग बना। इसमें समाज ने साथ इसलिए नहीं दिया क्योंकि उसके अधिकारों को शिक्षकों ने स्वयं लुटते देखा, फिर भी बचाने का प्रयास या तो किये नहीं या बेबस होकर कर न सके। संगठनों ने शिक्षक शब्द में वजन महसूस किया, जिससे शिक्षक शब्द छोड़ अध्यक्ष जी, मंत्री जी आदि अनेक नाम व पद पाने के पीछे दौड़ने लगे। जिससे बेसिक शिक्षा में नकारात्मक और हतोत्साहित करने जैसा वातावरण बनता चला गया।

जबकि हम शिक्षक सुदूर, दुर्गम ग्रामीण परिस्थितियों में और विपरीत परिवेश में भी काम कर रहे थे। जिसकी आवाज और कार्य वहीं दुर्गमता और अव्यवस्था का शिकार होकर दबते रहे। जिससे शिक्षकों के बीच कुण्ठा और नकारात्मकता का वातावरण जड़ें जमाने लगा। जिसका शिकार होकर हम स्वयं बेबस और लाचार रहे। सहयोग के नाम पर प्रोत्साहन की जगह नसीहत और समझौतावादी नीति और किसी तरह नौकरी करने और बचाने का उपदेश बहुत पीड़ाकारी और धिक्कारने वाला काम लगने लगा। क्योंकि सब कुछ करने के बाद भी कुछ न करने का अपमान घुट–घुट कर जीने को मजबूर करता रहा। इसी बीच सोशल मीडिया और अच्छे शिक्षकों के सम्पर्क से उत्साह और जीवन जीने के आधार के साथ शिक्षक और शिक्षण का अस्तित्त्व नजर आने लगा। यहीं से शुरू हो गया एक आपसी सीखने–सिखाने और प्रेरणा–प्रोत्साहन का अनुकरणीय सकारात्मक सोच का संवाद जो धीरे–धीरे बेसिक शिक्षा के उत्थान और शिक्षक के सम्मान के उद्देश्य के साथ बन गया– "मिशन शिक्षण संवाद"

मिशन शिक्षण संवाद आज बेसिक शिक्षा के अनमोल रत्नों के आपसी सहयोग से सीखने–सिखाने का सशक्त माध्यम

बनता जा रहा है, जो बेसिक शिक्षा के अनुकरणीय और प्रेरक कार्यों को उनके परिचय के साथ उत्तर प्रदेश के 75जनपद सहित छः प्रदेशों तक प्रोत्सहित करते हुए शिक्षकों में सकारात्मक सोच और कुछ नया करने की प्रेरणा जगा रहा।

मिशन शिक्षण संवाद का भविष्य का लक्ष्य उस प्रतिशत पर है जो शिक्षक किसी न किसी कारण से हतोत्साहित है, क्योंकि मिशन शिक्षण संवाद का मानना कि बेसिक शिक्षा का 10 प्रतिशत शिक्षक किसी भी परिस्थिति में अपने कर्तव्य को परिणाम तक पहुँचाने की शक्ति रखता है और 40 प्रतिशत शिक्षक ऐसा है जो अच्छा काम करना तो चाहता है लेकिन विभागीय या आपसी समस्याओं के कारण कुण्ठित या हतोत्साहित है। इस तरह के शिक्षकों को प्रोत्साहित कर उनकी समस्याओं का आपसी सहयोग से समाधान करने का प्रयास कर प्रतिशत को बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद लगभग तीस प्रतिशत ऐसा शिक्षक है जो व्यवस्था के ढर्रे में फँस कर करने या न करने की कुछ सोचता ही नहीं है, जब जैसा समय, तब तैसा काम कर अपनी नौकरी को बचा रहा है। लेकिन यह जब 10 प्रतिशत, 40 प्रतिशत को अच्छा काम करता देखेगा तो उसे ढर्रे का माहौल प्राप्त न होने पर भले ही स्वतंत्र रूप से अच्छा करने के लिए नेतृत्व न करे लेकिन सहयोगी अवश्य बनेगा। अब अच्छे और बेसिक शिक्षा के उत्थान के लिए शिक्षकों का प्रतिशत होगा 10 प्रतिशत, 40 प्रतिशत, 30 प्रतिशत = 80 प्रतिशत जो बेसिक शिक्षा को स्वर्णिम युग में पहुँचा सकता है। अब जो बीस प्रतिशत शिक्षक सत्ता या व्यवस्था का करीबी है या तो स्वयं सुधर जायेगा या सेवा से मुक्ति पाने को मजबूर हो जायेगा। इस लक्ष्य के लिए मिशन शिक्षण संवाद आप सबके सहयोग और प्रोत्साहन का आकांक्षी है।

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाये।

क्योंकि जब होगा शिक्षा का उत्थान, तभी मिलेगा शिक्षक को सम्मान।

विमल कुमार

मिशन शिक्षण संवाद

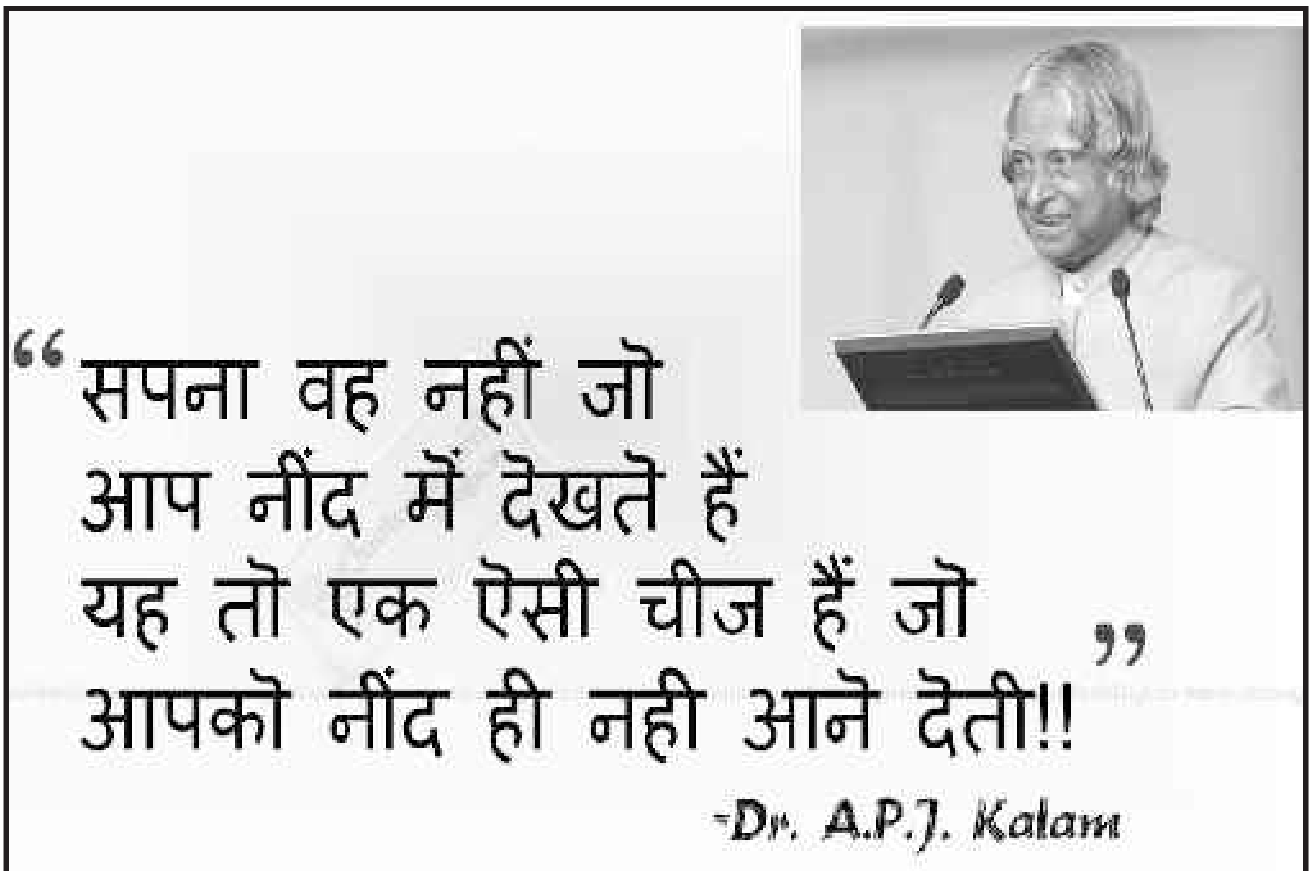

अध्यापक जिन्होंने बदली अपने विद्यालय की सूरत

आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट, विकास क्षेत्र– बस्ती सदर, जनपद– बस्ती

–डॉ. सर्वेष्ट मिश्र, प्रधानाध्यापक

आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट व्यक्तिगत प्रयास एवं जनसहयोग से विकसित जनपद बस्ती का पहला स्मार्ट क्लास सुविधा युक्त प्राथमिक विद्यालय है जिसे प्र0अ0 डॉ0 सर्वेष्ट मिश्र ने जनसहयोग एवम व्यक्तिगत प्रयास कर उसे जनपद के सर्वश्रेष्ठ विद्यालय के रूप में विकसित किया है जिसमें 215 छात्र/छात्राएं अध्ययनरत है। डा0 सर्वेष्ट मिश्र को 2016 में प्रधानाध्यापक के रूप में जब तैनाती दी गयी तो उस समय विद्यालय में मात्र 19 बच्चे ही थे और विद्यालय में सुविधाओं का अभाव था। भवन की स्थिति काफी खराब व परिसर में घास–फूस उगी थी और गहरे गड्ढे बन चुके थे। जनता का विद्यालय से विश्वास उठ चुका था, जिसके कारण कोई अभिभावक अपने बच्चों का प्रवेश नहीं कराना चाहता था। नामांकन बढ़ाने और जनसहयोग से बच्चों एव विद्यालय हेतु सुविधाएं बढ़ाने हेतु लगभग 250 घरों में जाकर सम्पर्क किया गया और लगभग 45 दिनों में ही संख्या बढ़कर 155 हो गई जो अब 215 है। जनसहयोग से विद्यालय के सभी बच्चों की मूलभूत आवश्यकताओं, भौतिक संसाधनों जैसे ह्वाइट बोर्ड, डेस्क बेंच, 5 पंखे, गमले सहित पौधरोपण सभी बच्चों हेतु टाई बेल्ट, आईडी कार्ड, एक अतिरिक्त फैन्सी ड्रेस, सभी बच्चों को एक जैसा स्वेटर, कापी, पेन पेन्सिल व अन्य स्टेशनरी, एमडीएम खाने हेतु प्लेट, गिलास आदि की व्यवस्था प्रधानाध्यापक ने की। बच्चों को गुणवत्तापरक शिक्षा देने हेतु स्कूल में जन सहयोग से विद्यालय के बच्चों के लिए प्रधानाध्यापक ने अपने व्यक्तिगत लैपटाप/कम्यूटर और जनसहयोग से खरीदे गए प्रोजेक्टर व टीवी से चलने वाले जिले के पहले स्मार्ट क्लास स्थापना की। प्रधानाध्यापक ने जन सहयोग से विद्यालय भवन प्लास्टर की मरम्मत, वाल पुट्टी लगाने व पूरी बिल्डिंग को प्लास्टिक पेंट से रंग रोगन कराकर दीवारों पर लेखन के साथ ही एक कक्षा को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैश कर स्मार्ट कक्षा के रूप में सुसज्जित किया जहाँ आडियो विजुअल कक्षाओं में गतिविधि आधारित शिक्षण किया जाता है।

अब विद्यालय में प्रतिदिन 45 मिनट की असेम्बली सत्र होता है जिसमें हिन्दी तथा अंग्रेजी में प्रार्थनाएं, समूहगान, अध्यापक एक्टीविटी, छात्र/छात्राओं की एक्टीविटी, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, विलोम शब्दों की जानकारी, महापुरूषों व सदवाक्यों की जानकारी, विशेष दिवसों का आयोजन तथा बाल अखबार का प्रकाशन किया जाता है। विद्यालय के सूचना पट्ट पर प्रतिदिन विद्यालय में कुल नांमाकित छात्रों की संख्या तथा उनकी उपस्थिति तथा शिक्षकों का विवरण व उनकी उपस्थिति का विवरण दर्ज कर प्रतिदिन एक घंटा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण व उनकी आदतों में सुधार हेतु संचालित किया जाता है। छात्र/छात्राओं में अच्छा करने की प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत करने हेतु स्वच्छता, नियमित उपस्थिति, सर्वाधित मेधावी तथा सर्वाधित अनुशासित बच्चों को 'स्टार आफ मन्थ' तथा माह में सबसे अच्छा शिक्षण करने वाले शिक्षक को 'स्टार आफ द मन्थ' शिक्षक के रूप में सम्मानित किया जाता है। विद्यालय में कहानियों, कविताओं की पुस्तकों का संग्रह है जिसमें बच्चें अपनी मनपसंद कहानिया एवं अन्य पुस्तकों का अध्ययन करते है। विद्यालय में कम्प्यूटर शिक्षा/आर्ट क्राफ्ट/योग/इंग्लिश स्पीकिंग की सुविधा भी शिक्षकों द्वारा दी जाती है। छात्र/छात्राओं को विद्याज्ञान प्रवेश परीक्षा हेतु शिक्षकों द्वारा निःशुल्क कोंचिग उपलब्ध करायी जाती है। छात्र/छात्राएं खेल गतिविधियों में अग्रणी रहते हैं। विद्यालय का फेसबुक पेज 'आदर्श प्राथमिक विद्यालय मूड़घाट' के नाम से वेबसाइट पर उपलब्ध है और यूट्यूब पर विद्यालय के कक्षाओं और बच्चों के लगभग पांच सौ के लगभग वीडियो भी अपलोड हो चुके हैं। 31 मार्च 2017 को विद्यालय वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि तत्कालीन जिलधिकारी श्री प्रभु नारायण सिह जी स्कूल में पहुंचे और लगभग 1 घंटे तक रूककर बच्चों के कार्यक्रम देखा और उन्हें पुरस्कत किया।

२८ मार्च २०१८ को विद्यालय के द्वितीय वार्षिकोत्सव में सदर विधायक श्री दयाराम चौधरीजी, हिन्दू युवा वाहिनी के जिलाध्यक्ष श्री अज्जू हिन्दुस्तानी जी सहित कई विशिष्ट अतिथि शामिल हुए। बेसिक शिक्षा निदेशक डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम बहादुर सिंह जी ने हाल में ही विद्यालय भ्रमण किया और प्रशंशा की। अभी तक विद्यालय को मा0 सांसद बस्ती श्री हरीश द्विवेदी, मा0 विधायक श्री दयाराम चौधरी, जिलाधिकारी महोदय, सीडीओ महोदय एडी बेसिक महोदय, डायट प्राचार्य महोदय व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय सहित समाज के प्रबुद्ध लोगों ने विद्यालय भ्रमण कर हमारे प्रयासों को सराहा है। प्रधानाध्यापक डॉ सर्वेष्ट मिश्र को देश का प्रतिष्ठित लोकमणि लाल अवार्ड 2017, रोटरी क्लब का नेशन बिल्डर अवार्ड 2016, जिलाधिकारी बस्ती द्वारा आदर्श शिक्षक सम्मान 2016, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा आदर्श शिक्षक सम्मान 2017, कपिलवस्तु महोत्सव सिद्धार्थनगर २०१७ मे आदर्श शिक्षक सम्मान, डीआईजी व पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रदत्त बेस्ट शिक्षक अवार्ड, स्व0 हरिश्चन्द्र अग्रवाल सम्मान 2016, टीचर्स क्लब इटावा द्वारा प्रदत्त शिक्षक सम्मान, मीना रेडियो सम्मान, डायट तथा बेसिक शिक्षा अधिकारी गण द्वारा प्रदत्त आदर्श शिक्षक सम्मान व विभिन्न सामाजिक वह साहित्यिक संगठनों द्वारा प्राप्त सम्मान प्रदान किये गये हैं। ■

प्रस्तुति– सोनू वर्मा, विभा चाहर स०अ०, आदर्श प्राथमिक विद्यालय, मूड़घाट, बस्ती

प्राथमिक विद्यालय जहुरुद्दीनपुर, सुइथा कला, जनपद जौनपुर

– शिवम सिंह

इस विद्यालय में मेरी नियुक्ति 14 नवम्बर– 2015 को हुई थी। उस समय विद्यालय में बच्चों के आने की संख्या मात्र 25 थी। विद्यालय में दो समायोजित शिक्षामित्र शिक्षिकाएँ थी। बच्चों को विद्यालय या विद्या से कोई रूचि नही थी। कारण बच्चों को शिक्षक अपना नही बना पाये थे। बच्चों को अपना बनाने के लिए खुद बच्चा बनना पड़ता है। हम बच्चों के साथ नाचते, गाते, खाना खाते और खेल ही खेल में बच्चों में शिक्षा की जिज्ञासा रुपी बीज को रोपण करने का प्रयास करते गये। जिससे बच्चों के मन में शिक्षा और विद्यालय के प्रति रुचि का जागरण हो गया। बच्चों को समय से विद्यालय में बुलाने के लिए शिक्षक को स्वयं समय से पहुँच कर प्रार्थना सभा में शामिल होना चाहिए। इसलिए हम स्वयं 5:30 बजे घर से निकलकर समय पर स्कूल पहुँचते रहे। बच्चों के लिए खेल का सामान लाये जिन्हें पहले पाने के लिए भी बच्चे पहले आने का प्रयास करने लगे। आज विद्यालय का माहौल बिल्कुल बदला हुआ नजर आ रहा है। विद्यालय परिवेश को बदलने के लिए जो खर्च लगा उससे हम शिक्षकों ने मिल कर वहन किया। विद्यालय परिसर में प्राथमिक व् पूर्व मा0 विद्यालय दोंनो है, ऐसे में जब हम कोई कार्यक्रम कराते तो जूनियर के बच्चे भी उत्सुकता से देखते। अतः मैंने सभी नवाचार में उन बच्चों की भी सहभागिता सुनिश्चित करायी। जूनियर में दो विज्ञान की शिक्षिका सीमा यादव व् संजू पाल जी ने हमेशा साथ दिया। मुझे बस पहल करनी थी अंजाम तक पहुँचने में ये दोनों बहनें मेरा साथ देती रही। परिवर्तन लाने के लिए किसी सरकार या संस्था की जरुरत नहीं है। जरूरत होती हैं दृढ़ इच्छा शक्ति की। जिसने हमारे विद्यालय को ब्लाक स्तर पर केवल कुछ महीनों में चर्चा का विषय बना दिया। बच्चों के मन से डर दूर करने और आत्म विश्वास के साथ लोगों के सामने बोलने की कला विकसित करने हेतु चार्ट प्रदर्शनी लगवायी गयी। जिसमें कमजोर और तेज बच्चों के मिश्रित समूह बनाया गया। हर समूह को एक विषय दिया गया जिस पर उनकी पूरी तैयारी कराई गयी। प्रदर्शित होने के दिन बच्चे नर्वस थे मगर जैसे– जैसे लोग आते गए और बच्चों का डर दूर होता गया। अब बच्चे अपने शब्दों में बोल और समझा रहे थे। शुरू में जो संख्या 25 थी वह आज 122 पहुँच गई। क्रिसमस क्या होता है बच्चों को बताया गया। हम सब मिलकर पार्टी किये। बच्चे रंगारंग कार्यक्रम दिए। मैं सांता क्लाउस बन बच्चों को यीशु व नैतिकता की बातें बताये। Tess india नामक संस्था द्वारा जिला सुगमकर्ता हेतु प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। Teacher's of india द्वारा मेरे द्वारा बनाये गए संसाधनों को स्वीकृत किया गया। हमारा मानना है कि –

'जिन्दगी बड़ी होनी चाहिए लम्बी नहीं। यही सोच कर हर काम को अपना शत प्रतिशत देता हूँ। राष्ट्र गौरवशाली तब बनेगा जब शिक्षक अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी से करेगा। व्यक्ति यदि केवल एक सुविचार का अनुसरण करें तो जीवन सफल हो जाये। ■

प्राथमिक विद्यालय रनियाँ द्वितीय, सरवनखेड़ा, कानपुर देहात

– सन्त कुमार दीक्षित

कार्य–विवरणः– विद्यालय में पोर्टेबल स्पीकर सिस्टम और माइक, ढोलक, मंजीरे खरीदे गये जिससे प्रार्थना–सभा सुव्यवस्थित हो गई। ड्रम द्वारा प्रतिदिन P.T. कराई जाने लगी। प्रोजेक्टर, लैपटॉप, इंटरनेट, एंड्रॉइड मोबाइल द्वारा Smart Class स्थापित करके। udio&visual aids एवं Digital Technique के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाने लगा। म्दबलबसवचंमकपं तथा ठपह–इववो के माध्यम से शिक्षण प्रारम्भ किया गया। साथ ही CBSE एवं ICSE की पुस्तकों में दिए गए अभ्यासों को छपवाकर बच्चों को दिया गया।

5 सितम्बर 2016 को बेसिक शिक्षा विभाग, उ.प्र. द्वारा मेरे विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार के अंतर्गत, विद्यालय को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। ■

प्राथमिक विद्यालय गजोधरपुर, सिधौली, सीतापुर

–अजय सिंह

कार्य–विवरण व नवाचार एवं उपलब्धियाँः– बच्चों के जन्मदिन मनाने की परम्परा की शुरुआत जनवरी 2016 से। प्रत्येक माह शत प्रतिशत उपस्थिति वाले छात्रों को प्रति माह पुरस्कार, जनवरी 2016 से अब तक। प्रातः प्रार्थना सभा में प्रार्थना, सामान्य ज्ञान परिचर्चा व अन्य छोटे कार्यक्रम हेतु अभिभावकों के सहयोग से माइक सिस्टम की व्यवस्था। 26 नवम्बर 2016 को सिधौली विधायक माननीय मनीष रावत जी के सौजन्य से सभी बच्चों को स्वेटर वितरण। 8 मार्च 2017 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर नार्वे की 22 सदस्यीय टीम का विजिट। मानवोदय संस्था द्वारा जुलाई 2017 में 5 सेट डेस्क व बेंच दान की गयी। कक्षा–1 के नव प्रवेशित समस्त बच्चों को विद्यालय प्रबन्धन समिति के अध्यक्ष स्री रामू यादव जी के द्वारा 3 इन–वन–राइटिंग बुक प्रदान की गयी। बच्चों को स्वनिर्मित पाकेट डिक्शनरी उपलब्ध करावाया। सत्र 2017–18 में आज 21 दिसम्बर तक 43 दिन 100ः उपस्थिति, उपस्थिति के अर्धशतक के करीब। प्राप्त सम्मान– 30 अप्रैल 2017 को मिशन शिक्षण संवाद कार्यशाला में टीचर्स क्लब द्वारा सम्मानित। ■

प्रा0वि0 नगलासुभान, सैफई, इटावा।

–ऋचा राय

कार्य–विवरण :– अनुपस्थित, बीमार बच्चे के घर जाकर पता करना मेरे दैनिक व्यवहार हैं जिससे बच्चे हमसे मानसिक एवं आत्मीय रूप से जुड़ते हैं। बच्चों के प्फ के आधार पर कक्षा तीन भागों में विभाजित कर अध्यापन कार्य करती हूँ। शनिवार को विशेष कक्षा आयोजित करती हूँ जिसमें सीनियर बच्चे शिक्षक द्वारा दी गई विषय वस्तु पढ़ाते हैं। मैंने विद्यालय मे बालिका क्रिकेट टीम भी बनाई। शौचालय होते हुए लोग खुले मे शौच जाने के आदी थे, बीमारी अनुपस्थिति बढ़ाने लगी तो मैंने बच्चों की एक टीम बना उसे स्वच्छता सेना का नाम दिया एवं अभियान के तहत रैलियां निकाल, गीत गाकर, नुक्कड़ नाटक से जागरूकता लाने का प्रयास किया। प्रतिवर्ष विभिन्न सामाजिक कुरीतियों से संबंधित सर्वे रिपोर्ट बच्चे स्वयं सर्वेक्षण कर तैयार करते हैं जिससे वे उसके दुष्परिणाम से परिचित होते हैं। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय रायपुर धीरपुर, दातागंज, बदायूँ।

–हरिश्चंद्र सक्सेना

कार्य–विवरणः– विद्यालय में ग्राम पंचायत अध्यक्ष के सहयोग से चहारदीवारी व मंच का निर्माण कराया। प्रोजेक्टर, लैपटॉप, इंटरनेट, एंड्रॉइड मोबाइल द्वारा Smart Class स्थापित करके Audio&visual aids एवं Digital Technique के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाने लगा। नामांकन बढ़ाने के लिए नामांकन मेला तथा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामवासियों को जागरूक किया गया। Holiday&Homework छपवाकर बच्चों को वितरित किया गया। प्रत्येक कक्षा में प्रतिमाह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को Topper of the Month के रूप में पुरस्कृत किया गया। विद्यालय में जन्माष्टमी, होली, दीपावली, राष्ट्रीय पर्वों आदि का आयोजन भव्य स्तर पर किया गया।

उपलब्धियाँः– राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस द्वारा आयोजित जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में अपने लघु शोध 'खुले में शौच' के कारण व उनके दुष्प्रभाव पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। यूनिसेफ के अन्तर्गत सर्व शिक्षा अभियान उत्तर–प्रदेश की पत्रिका 'मीना मंच' में विद्यालय को स्थान मिला। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस द्वारा 2017 में आयोजित प्रोजेक्ट में जिले में द्वितीय स्थान। ■

प्राथमिक विद्यालय रजवाना सुल्तानगंज, मैनपुरी

–मोहम्मद इशरत अली, प्रधानाध्यापक

कार्य–विवरणः– 70/80 की छात्र संख्या वाला विद्यालय पहले ही साल में 150 की छात्र संख्या वाला विद्यालय बन गया। नित नये नवाचारी गतिविधियों द्वारा शिक्षण कार्य के चलते आज छात्र संख्या 200 का आँकड़ा पार कर रही है। विद्यालय पर कम्प्यूटर शिक्षा के साथ–साथ बच्चों के बैठने हेतु सुन्दर सुविधाजनक फर्नीचर है। आधुनिक शिक्षण के तहत स्मार्ट क्लास में प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षण कार्य करवाया जाता है। प्रधानाध्यापक मोहम्मद इशरत अली की नवाचारी टी एल एम किट(stamps kit) का आज समस्त भारतवर्ष में सफल उपयोग किया जा रहा है। जिला स्तरीय आदर्श अध्यापक का सम्मान मिला। 2015 में विद्यालय को राज्य स्तरीय उत्कृष्ट विद्यालय के तहत 1,20,000/ का पुरस्कार माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री जी से लखनऊ में प्राप्त किया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मैनपुरी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ■

प्राथमिक विद्यालय बोझवा कुरसेली, हरियावा हरदोई

आशीष शुक्ल, प्रधानाध्यापक

साथियों मैं हरदोई जनपद से हूँ और मेरी प्रथम नियुक्ति 2 जुलाई 2009 को सहायक अध्यापक के पद पर प्राथमिक विद्यालय कुंवरपुर विकास खंड– भरखनी में हुयी थी। वहाँ की दूरी मेरे निज निवास से 68 किमी थी इसलिए रोज जाना आना संभव नही था। इसलिए वहीं पर एक कमरा लेकर विद्यालय में नियमित शिक्षण कार्य किया जिसका परिणाम ये हुआ कि वहीं से एक मेरा छात्र सोमेश कुमार अगले वर्ष विद्या ज्ञान केंद्र के द्वारा आयोजित परीक्षा में जिले से चुना गया तब मुझे इसका अहसास हुआ कि गाँव के बच्चे भी बहुत कुछ कर सकते हैं बस उनको मौका मिलना चाहिए ....। पिछले वर्ष मेरी पदोन्नति हुयी जिसके फलस्वरूप मेरी नियुक्ति प्राथमिक विद्यालय बोझवा कुरसेली विकास खंड हरियावां में प्रधान अध्यापक के पद पर हुयी... । इस विद्यालय का निर्माण वर्ष 2012–13 था । जब मैं वहां गया तब एक सहायक शिक्षक व मैं ही विद्यालय को देख रहा था और विद्यालय वैसे ही चल रहा था जैसा एक सामान्य विद्यालय में सभी कार्य होते हैं । बीते माह मुझे मेरे छोटे भाई अभिषेक शुक्ल जो सीतापुर जनपद में सहायक अध्यापक पद पर है उसने मोहम्मद वाइज के बारे में बताया जिन्होंने मुझे whatsapp संवाद ग्रुप में जोड़ा जिसमें मैंने विभिन्न विद्यालयों को देखा और सोचा कि जब ये विद्यालय ऐसे बना सकते हैं तो मैं क्यों नही .... फिर क्या था

मैंने विद्यालय में मौजूद सभी संसाधनों को देखा और 11 सितम्बर से इस कार्य की शुरुआत की जिसमें अभी भी बहुत काम हो रहा है।

.एक बात और जो मेरे पेशे से अलग है लेकिन एक इन्सान होने की वजह से वह भी जरूरी है जिसके अंतर्गत मैं अपनी Operation Re Smile Teamके द्वारा अपने जनपद पर कई अलग–अलग अभियान चलाकर लोगों को जागरूक करने का भी काम करते हैं जिसमें जल संरक्षण अभियान, पर्यावरण संरक्षण अभियान और गर्मी में नियमित जल प्याऊ लगवाने का अभियान वर्तमान में OPERATION RESMILE- नेकी की दीवार हरदोई नाम के अभियान में जिसके अंतर्गत जरूरत मंद बच्चों को खिलौने गर्म कपड़े किताबों को उपलब्ध कराना है .... इन सभी अभियानों बारे में facebook whatsapp की मदद से सभी तक पहुँचाया जा रहा है....ताकि. अधिक से अधिक लोग उसमें भाग ले सकें....। इस पथ का उद्देश्य नहीं है शांत भवन में रुक जाना , किन्तु पहुंचना उस मंजिल पर जिसके आगे राह नहीं।

प्राथमिक विद्यालय भिटारी, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

–रविन्द्र कुमार सिंह, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– बच्चे विधिवत कतार में बैठकर भोजन मन्त्र के उपरान्त एक साथ भोजन करते हैं। विद्यालय में प्लास्टिक पेन्ट तथा आकर्षक वाल पेन्टिंग कराया जिससे लोगों का रुझान बढ़ा जो प्रतिवर्ष हो रहा है। भौतिक परिवेश के साथ शैक्षिक गुणवत्ता में भी काफी सुधार हुआ है तथा अब बच्चे अंग्रेजी में भी बोल लेते हैं। वर्ष 2016 में मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा जारी स्वच्छ विद्यालय की सूची में जनपद के टाप–10 विद्यालयों में मेरे विद्यालय का पांचवां स्थान था, इस वर्ष 90.68%के साथ फाइव स्टार रेटिंग। 15 अगस्त 2009 को जब मैं भदोही जनपद में कार्यरत था वहाँ के जिलाधिकारी महोदय द्वारा मुझे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। 5 सितंबर 2016 को मुझे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया। 11 नवंबर 2017 को जनपद के शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी में अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) महोदय की उपस्थिति में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

आदर्श (अंग्रेजी माध्यम) प्रा.वि.टयाला, हापुड़, हापुड़ (उ.प्र.)।

–श्रीमती कोमल त्यागी,

कार्य–विवरणः– प्रार्थना सभा में पी०टी०, सुविचार, समाचारपत्र वाचन, आदर्श व्यक्तित्व वाचन आदि शुरू करवाया। C-B-S-E- की तर्ज पर हिन्दी को सरल रूप में प्रस्तुत करने हेतु 'नवाचार–शब्द बांसती' को छपवाया व वितरित किया। "Super Saturday" शुरू कर बच्चो की "craft&work" एंव अन्य प्रतिभाओं को (स्वंय सामग्री वितरित कर) को बढने के अवसर प्रदान किये। "Science&Show" का आयोजन कर विज्ञान की समझ विकसित करने के अवसर दिये। अपने घर पर 'निःशुल्क शिक्षा' की व्यवस्था की हैं।

उपलब्धियाँः– सन 2015 में विद्यालय का चयन अंग्रेजी माध्यम के लिए हुआ। विभिन्न News channe से एवं समाचारपत्रों में विद्यालय की बहुत बार प्रशंसा हुई। सन् 2017 में विद्यालय का चयन आदर्श विद्यालय के रूप में हुआ।■

कन्या प्राथमिक विद्यालय लुहारी, बंगरा, झांसी

–मनुजा द्विवेदी

कार्य–विवरणः– एक सामान्य विद्यालय से जनपद के मॉडल विद्यालय विद्यालय बनने तक की यात्रा अपनी सहयोगी शिक्षिकाओं के पूर्ण समर्पित योगदान, विभागीय आदेशों के शत प्रतिशत अनुपालन, स्टाफ व बच्चों के स्वानुशासन से पूरी की। गतिविधियों के माध्यम से शिक्षण कार्य कराना, आपस में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना, पियर ग्रुप बनाकर बच्चों की

विशेष सहायता करना, बच्चों के सहयोग से जसउ का निर्माण, खेल–खेल में सीखना हमारे विद्यालय के दैनिक क्रिया कलाप हैं। बच्चों के उपलब्धि स्तर को बढ़ाने के लिए दो प्रमुख कार्य किए–प्रथम कक्षा एक के बच्चों के साथ आंगनबाड़ी के 4–5 वर्ष के बच्चों को विद्यालयी वातावरण से समायोजित होना सिखाया जिसका परिणाम शानदार मिला। ■

कन्या जूनियर हाईस्कूल मंसूरनगर, पिहानी, हरदोई

–विजया अवस्थी, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः– विद्यालय परिसर से आवागमन मार्ग बंद करने का निर्णय विद्यालय प्रबन्ध समिति के विचार विमर्श से लिया गया और मार्ग बंद कर दिया (समस्त खर्च का वहन स्वयं)। DSCL शुगर मिलविद्यालय के अधिकारियों के भ्रमण के उपरांत हमारे विद्यालय में शौचालय निर्माण सुनिश्चित कर दिया गया बहुत ही खुशी मिली तत्पश्चात शुगर मिल के उच्चाधिकारी श्री मनीष सर जी विद्यालय आए, हम लोगों का विद्यालय प्रबंधन और बच्चों के प्रदर्शन से अत्यंत प्रभावित होकर पूरे विद्यालय का नवीनीकरण सुनिश्चित कर दिया। कक्षा आठ के बाद बालिकाएं उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। बालिकाओं को शिक्षा के साथ–साथ स्वयं सुरक्षा के उपाय, गुड टच–बैड टच नियमित रूप से बताया जाता है। किशोरावस्था की उम्र में होने वाले शारीरिक–मानसिक परिवर्तन पर विशेष रूप से ध्यान रखा जाता है और काउन्सिलिंग की जाती है।■

प्राथमिक विद्यालय घड़ियालीपुर, कड़ा, कौशाम्बी।

–दीपनारायण मिश्र, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः–नियुक्ति के अगले दिन से ही प्रार्थना के पश्चात् प्रत्येक बच्चे से अपना परिचय अंग्रेजी में देने की शुरुआत तथा मध्याह्न भोजन से पहले भोजन मन्त्र की शुरुआत करना। गेट के पास हो रहे जल भराव की समस्या का निराकरण कर इस जल भराव वाली जगह में ही फूल पौधे लगाकर इस जगह को सबसे ज्यादा हरा एवं मनभावन बनाकर किचेन गार्डेन बना दिया है इसी जगह सब्जियां जैसे नेनुआ, तोरई, लौकी भी उगा ली जाती है एवं सर्दियों में धनिया पालक भी। बच्चों को सामान्य ज्ञान की जानकारी से अवगत कराने से लेकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं शारीरिक विकास हेतु व्यायाम एवं योग तथा खेलकूद तक सभी गतिविधियाँ कराना। नियुक्ति के 1.5 वर्षों में ही विद्यालय की श्रेणी 'ब' से 'अ' हुई। आदर्श पाठ्योजना प्रस्तुतिकरण के लिए अपने जनपद से एकमात्र प्रतिभागी के रूप में चयन।■

प्रा0वि0 नई बस्ती देहरे बाबा, ग्राम मसौरा कलाँ, जखौरा, ललितपुर।

–अनन्त तिवारी प्र0अ0

कार्य–विवरणः– प्राथमिक विद्यालय का संचालन 2011 से हुआ है उस समय मात्र 20 छात्र थे और 2011 से 2017 तक आते आते हमारे विद्यालय में आज 160 का छात्रांकन है। स्मार्ट क्लास– विद्यालय परिवार द्वारा वर्ष 2015 से विद्यालय में स्मार्ट क्लास का संचालन किया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक– नुक्कड़ नाटक के माध्यम से हम ने गाँववालों को शिक्षा से केवल नौकरी नही संस्कार आते हैं इस थीम पर भी सिखाया। इसमें बच्चों के सीखने की क्षमता का आंकलन बहुत ही आसानी से किया जाता है। हमारे विद्यालय में बच्चों का समय समय पर आकलन कर के उन को सिखाने के तरीकों में परिवर्तन किया जाता है और बहुत ही आसानी से पता चल जाता है कि कौन बच्चा किस स्टेज पर क्या सीख रहा है। समर कैम्प– प्रत्येक वर्ष गर्मियों में गांव के सभी बच्चे और किशोरियों को रोजगारपरक चीजें बनाना सिखाया और वाल दिवस पर उन बनी हुई सभी वस्तुओं की प्रदर्शनी लगाईं गई और लोगों को एकत्रित करके उन्हें रोजगार के अवसर को भी सुनिश्चित करते हैं। योग, व्यायाम और सामुदायिक सहभागिता– योग और व्यायाम रोज प्रार्थना स्थल पर कराने से बच्चों में चुस्ती फुर्ती आ रही है।–हेल्थ कैम्प– हेल्थ कैंप के माध्यम से गांव के लोगो को विद्यालय में आने का मौका मिलता है। स्टार ऑफ द मन्थ, स्टार ऑफ द क्लास, बाल मंत्री मण्डल, बिना चहार दीवारी के सुंदर और मोहक बगीचा, बायोमैट्रिक उपस्थिति, सीसीटीवी युक्त कैम्पस, बच्चों द्वारा मोबाईल, कम्प्यूटर और इंटरनेट का शिक्षण में प्रयोग, प्रभावी प्रार्थना सभा।■

प्राथमिक विद्यालय धमौरा, वि.खं. साउँघाट, जनपद – बस्ती।

–अर्चना जायसवाल, प्र.अ.

कार्य–विवरणः– साउंड सिस्टम तथा मोबाइल से प्रार्थना सभा को सुव्यवस्थित करने के साथ ही साथ सप्ताह में विभिन्न प्रकार की प्रार्थना की शुरुआत हुई। प्रतिदिन छात्रों को योग और पीटी कराई जाने लगी। छात्रों को ड्रेस दिलवाकर वितरित किए गए तथा बेल्ट भी दिए गए। बंद शौचालय तथा पुस्तकालय को पुनः शुरू करवाया गया स्वच्छता तथा साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाने लगा। छात्रों को ज्ञानवर्धक कविताएँ याद करवाई जाने लगीं। छात्रों को प्रतिदिन गृहकार्य दिया जाने लगा। नामांकन बढ़ाने के लिए पोस्टर छपवाकर समय–समय पर वितरित किया गया। सभी कक्षाओं में आकर्षक तथा ज्ञानवर्धक फ्लैक्स लगवाए गए। छात्रों को प्रतिदिन समाचार पत्र, जैसे हिंदी समाचार पत्र दैनिक जागरण, अमर उजाला, अंग्रेजी समाचार पत्र टाइम्स ऑफ इंडिया से और मात्रा की समझ को बढ़ाने के लिए प्रतिदिन कार्य दिया जाने लगा। प्रोजेक्टर तथा लैपटॉप द्वारा इंटरनेट के माध्यम से छात्रों की स्मार्ट कक्षाएँ प्रारंभ की गईं। विशेष अवसरों पर समस्त स्टाफ हेतु विशेष ड्रेस कोड लागू किया गया। प्रति माह अभिभावक शिक्षक बैठक की शुरुआत हुई। वार्षिकोत्सव का आयोजन विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले छात्रों को पुरस्कृत करना प्रारंभ हुआ।■

प्राथमिक विद्यालय मंगराव, वि.खं.–भनवापुर, जनपद– सिद्धार्थनगर।

–दुर्गेश कुमार मिश्र, प्र.अ.

कार्य–विवरणः– प्राथमिक विद्यालय मंगराव जनपद सिद्धार्थनगर का एक आर्दश विद्यालय है। यहां जब हम कार्यभार ग्रहण किये तो बाउंड्रीवाल के अंदर विद्यालय में गहरी खाई थी, बरसात का महीना था, पानी लबालब भरा था। स्थानीय लोगों ने बताया की गुरुजी अगर जरा सा चूक गए तो बच्चे डूब जाएँगे। ग्राम प्रधान जी से मिलकर विद्यालय में मिट्टी पटवाई खुद के पैसों से तीन कमरों की फर्श बनवाई छत की मरम्मत भी करवाई। कक्षा–कक्षों की सभी दीवालों पर आकर्षक टीएलएम लगवाया। विद्यालय के कार्यालय को बिल्कुल नया और आकर्षक रूप दिया। विद्यालय के कर्मठ शिक्षक साथी श्री प्रदीप कुमार एवं शिक्षिका बहन सुरभि श्रीवास्तव के साथ मिलकर विद्यालय के बच्चों को नित्य नई–नई विधियों से शिक्षा देकर विद्यालय ने क्षेत्र में एक स्थान बनाना शुरू कर दिया। इधर वर्तमान 2017–18 के सत्र में ड्रेस वितरण करने आए क्षेत्रीय विधायक श्री राघवेंद्र प्रताप सिंह ने विद्यालय की बेहतर व्यवस्था देख उसको गोद लेने की घोषणा की। कुछ ही दिनों में उन्होंने विद्यालय को 50 सीट डेस्क बेंच प्रदान किए साथ ही शीघ्र ही उन्होंने विद्यालय के लिए स्मार्ट क्लासेस की व्यवस्था कराने का आश्वासन भी दिया है। अब विद्यालय अंग्रेजी माध्यम से संचालित है।■

प्राथमिक विद्यालय पेरई, वि.खं.– नेवादा, जनपद– कौशाम्बी।

–हरिओम सिंह, प्रधानाध्यापक

कार्य–विवरण एवं उपलब्धियाँः– विद्यालय में विभिन्न नवाचारी गतिविधियाँ जैसे टोकन बाँटो ईनाम पाओ, स्वागत समारोह का आयोजन, विदाई समारोह, कक्षाटोकन प्रभारी, हाउस के आधार पर कक्षावार बच्चों का बॅटवारा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता दिवस का आयोजन, हस्तशिल्प एवं क्राफ्ट निर्माण के साथ शिक्षा, कौन बनेगा विद्वान, INDOOR गेम तथा OUTDOOR डोरगेम, स्टार आफ द वीक, स्टार आफ द मन्थ, बाल स्वच्छता पुरस्कार एवं विद्यालय की वेबसाइट निर्माण जिस पर विद्यालय में होने वाली विभिन्न नवाचारी गतिविधियों किसी भी समय Online देखा जा सकता है तथा केवल इतना ही नहीं बच्चे अपने दाखिले हेतु आवेदन भी Online कर सकते तथा रसोइया भी फार्म–विज्ञापन निकलने पर Online आवेदन फार्म भर सकती मेरे इन सभी कार्यो एवं प्रयासों को देखते हुए माननीय जिलाधिकारी कौशाम्बी महोदय द्वारा 15 अगस्त 2017 को स्वच्छ भारत मिशन(ग्रामीण) के तहत प्रशंसा पत्र तथा उत्कृष्ट कार्यों के लिए 5 सितम्बर 17 को प्रशस्तिपत्र प्रदान किया गया तथा 7–12–2017 को मंडल स्तर पर शून्य निवेश नवाचार प्रदर्शनी में प्रतिभाग करनें का अवसर

मिला जिसमें प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। इस प्रकार आज मेरे स्कूल के बच्चों की स्थिति काफी अच्छी होने के साथ–साथ 80–90 प्रतिशत उपस्थिति के साथ नियमित विद्यालय में उपस्थिति तथा विभिन्न अवसरों पर विद्यालय तथा जिला स्तरीय कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता रहती है और इसी के तहत मेरे विद्यालय के बच्चों ने मा०विधायक चायल श्री संजय गुप्ता जी के जन्मदिन के अवसर पर हेलीकॉप्टर की यात्रा तथा जिलास्तरीय दीपावली मेला में प्रतिभाग किया एवं बच्चों के साथ मिलकर खण्ड विकास अधिकारी नेवादा महोदय जी द्वारा बच्चों के साथ बालचौपाल लगाकर बच्चों से बातचीत भी की। ■

प्राथमिक विद्यालय कुसैत, अवागढ़, एटा।

–हेमरतन दक्ष

कार्य–विवरणः– पहले हमारे विद्यालय में नामांकन व उपस्थिति कम थी। मैंने अविभावकों से संपर्क किया कि आप बच्चों को विद्यालय क्यों नही भेजते है तो जवाब मिला की विद्यालय में पढ़ाई अच्छी नही होती। मैंने उनसे वादा किया कि बच्चों को प्रतिदिन भेजो पढ़ाई अब अच्छे से होगी। मेरा ये कदम सफलता की और बढ़ा और लगभग 70ः बच्चे उपस्थित होने लगे। प्रार्थना सभा को नियमित व विधिवत तरीके से आरम्भ किया गया छुट्टी में राष्ट्रगीत आरम्भ कराया गया। कुछ बच्चे खेतो में काम करने चले जाते मैं खेतों में ही पहुँच जाता और अभिभावक को समझाता कि बच्चों को विद्यालय भेजिए आपकी हमने शिकायत कर दी तो आप को जेल जाना पड़ सकता है और यदि मैं न पढ़ाऊँ तो आप मेरी शिकायत बीएसए से करिये। इससे ग्रामवासी प्रभावित थे। नामांकन में 10 वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया। 15 अगस्त के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को देखकर ग्रामवासियों का कहना है आज से पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। विद्यालय समयोपरांत नवोदय, विद्या ज्ञान की तैयारी भी मैं बच्चों को कराता हूँ। मैंने ठाना है बच्चों को आगे बढ़ाना है। मेरे द्वारा चलाये जाने वाली योजनायें–प्रतिवर्ष बच्चों को आई कार्ड/टाई/बेल्ट दिया जायेगा, प्रतिमाह टेस्ट लिया जायेगा अच्छे अंक वालो को ईनाम मिलेगा. खेलकूद/सुलेख प्रतियोगिता होगी, व्हाइट बोर्ड पर शिक्षण, रोजाना व वेश में आने वाले को ईनाम दिया जाएगा।' ■

प्रथमिक विद्यालय गोयना, जनपद हापुड़

–प्रियंका सिंघल

सर्वप्रथम छात्र और अध्यापक के बीच के सम्बन्ध को मजबूत बनाने के लिए मैंने बच्चों से प्यार से घुलना–मिलना शुरू किया। विभिन्न प्रकार के सहायक सामग्री का स्वयं निर्माण किया तथा बच्चों की सहायता से भी बहुत से उपयोगी टी.एल.एम बनवाये। मुख्यधारा से पीछे छूट गये बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षण शुरू किया। प्रिंटरिच एन्वायरमेंट कक्षा में तैयार किया जिसका बहुत ही सकारात्मक प्रभाव बच्चों पर पड़ा। विभिन्न ज्वलंत समस्यायों के विषय में बच्चों को जागरूक करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ कराई तथा लैपटॉप का प्रयोग किया। जैसे–girl education sexual awareness environmental awareness आदि।

विद्यालय का सन 2015 में अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में चयन, एन.पी.आर.सी,ब्लॉक व जनपद स्तर पर आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिताओं में विभिन्न पुरस्कार। एन.पी.आर.सी, ब्लॉक व जनपद स्तर पर आयोजित हुई चित्रकला व सुलेख प्रतियोगिता में पुरस्कार। ब्लॉक स्तर पर आयोजित गणित व विज्ञान मेले में अंग्रेजी माध्यम में सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए विशेष पुरस्कार मिले। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय गंगापुर पुख्ता, कादरचौक, बदायूँ।

–प्रवीण कुमार,

कार्य–विवरणः– मेरा विद्यालय गंगा की कटरी में है अतः बाढ़ आने के कारण प्रांगण में गड्ढ़े बन गए थे। बच्चों के खेलने की जगह भी नहीं थी। ऐसे में मैंने ग्राम प्रधान को अपने विश्वास में लेकर प्रांगण में 206 ट्राली मिट्टी का भराव डलवाया। प्रार्थना सभा के मध्य किसी अभिभावक को बुलाकर उनके माध्यम से बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिये प्रेरित किया।

बच्चों को सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करने के लिये स्काउट गाइड के दल की स्थापना की तथा उनके नियमित सोपान शिविरों को आयोजित करने की व्यवस्था की। ग्रीष्मकालीन अवकाश में सभी बच्चों को गृहकार्य/प्रोजेक्ट वर्क देने की पहल शुरू की। किचेन गार्डन की स्थापना तथा दो कक्षा कक्षों में उत्कृष्ट फर्नीचर की व्यवस्था की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय के माध्यम से अध्यापकों—बच्चों की उपस्थिति के लिये बॉयोमेट्रिक मशीन की व्यवस्था की। हमें जिलाधिकारी, पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव द्वारा सम्मानित किया गया। वर्तमान में विद्यालय 'विद्यांजली' योजना तथा यूनिसेफ की योजना 'मुस्कान' में चयनित है। विद्यालय के स्काउट दल के चार सदस्यों को राज्यपाल दक्षता पुरस्कार मिला है। ■

प्राथमिक विद्यालय जैतपुर–फफूंद, भाग्यनगर औरैया

–ज्ञान प्रकाश, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– अधिकांश झाड़ू, पंखा बनाने वाले अभिभावकों से उनके बच्चों को बेहतर शिक्षा का आश्वासन देकर विद्यालय में उपस्थिति हेतु प्रयास किया। दैनिक प्रार्थना, राष्ट्रगान, प्रेरक प्रसंग, योगाभ्यास, पीटी, शनिवार को बालसभा में कविता, कहानी, भाषण आदि पोर्टेबल साउंड सिस्टम एवं माइक के साथ शुरुआत की। विद्यालय भवन की रंगाई–पुताई, टीएलएम से सुसज्जित कक्षा कक्ष, व्यवस्थित प्र0अ0 कक्ष, महापुरुषों के सदविचारों से विद्यालय भवन की दीवारें सुसज्जित की। ब्लैक बोर्ड के साथ व्हाइट बोर्ड एवं मार्कर, स्वयं के बनाए टीएलएम, रुचिकर शिक्षण हेतु बच्चों को विभिन्न अंक व वर्णमाला की मोहरें बच्चों को कक्षा की ओर आकर्षित करती हैं। छात्रों में जिम्मेदारी एवं टीम–वर्क की भावना विकसित करने हेतु बाल संसद (छात्र–समितियों) का गठन और क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। विद्यालय पुस्तकालय में 500 से अधिक उपलब्ध बालपुस्तकों का छात्रों द्वारा अधिकाधिक प्रयोग और प्रोत्साहन।

उपलब्धियाँ– विद्यालय के लिए निरन्तर प्रयासरत रहने के आज लगभग 90ः छात्र उपस्थिति। 95ः छात्र आधार के साथ पंजीकृत। विद्यालय द्वारा मिशन शिक्षण संवाद की मुहिम पूरे जनपद में फैली। विभिन्न समाचार पत्रों में समय समय पर विद्यालय स्तरीय कार्य और प्रशंसा प्रकाशित होती रही। ■

प्राथमिक विद्यालय कैरातीपुरवा, ईसानगर, लखीमपुर खीरी

–सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय

कार्य–विवरणः– मेरा विद्यालय जनपद मुख्यालय से सुदूर बहराइच सीमा में घाघरा नदी के किनारे अकादमिक स्तर, मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य विकास मानकों पर पिछड़ा हुआ था। विद्यालय के भौतिक संरचना में वांछनीय परिवर्तन नहीं कर सकता था तो मुझे लगा क्यों न शिक्षण व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया जाय। सबसे बड़ी चुनौती थी बच्चों की उपस्थिति बढ़ाना जिसके लिए गाँव में जाकर अभिभावकों को प्रेरित किया। शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए आरम्भ में शून्य निवेश अर्थात परिवेश से ही सहायक सामग्री का उपयोग किया जिसके लिए हमारे खण्ड शिक्षा अधिकारी ने सराहना भी की। चूँकि मैं एक अनुभवहीन शिक्षक था और बहुत अधिक आपेक्षिक सफलता नहीं मिल पा रही थी। ऐसे में सोशल मीडिया के माध्यम से मिशन शिक्षण संवाद के बारे में बड़े भैया श्री विनोद मिश्र जी से पता चला संयोग से मिशन परिवार का हिस्सा बना। साथ ही साथ लखीमपुर खीरी परिवार की जिम्मेदारी भी मिल गई। मिशन परिवार ने मेरे सीखने की क्रिया को गति दी जिसे मैं आज अपने बच्चों का भविष्य संवारने में जी जान से जुटा हुआ हूँ। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय मजीठ, रामपुरा, जालौन।

–उदय करन राजपूत

कार्य–विवरणः– स्कूल जाते समय मैंने कल्पना की थी बहुत सारे बच्चे होंगे क्योंकि छात्रांकन 114 था, सुंदर स्कूल होगा, स्कूल पहुँचकर मेरी कल्पना, केवल कल्पना मात्र ही निकली। पूरे ब्लॉक में सबसे खराब स्थिति का विद्यालय माना जाता था

और देखकर भी मुझे ऐसा ही लग रहा था। ब्लॉक स्तर पर विज्ञान से संबंधित प्रतियोगिता हुई जिसमें मेरे विद्यालय ने विज्ञान मॉडल, विज्ञान निबंध और विज्ञान पर भाषण में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ और जिला स्तर पर भी विज्ञान मॉडल में प्रथम और तृतीय स्थान एवम विज्ञान पर भाषण में द्वितीय स्थान प्राप्त करके विद्यालय का मान बढ़ाया। इसी समय खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा मुझे शिक्षक श्री के पुरुस्कार से सम्मानित किया। इसी वर्ष पहली बार स्काउट रैली में प्रतिभाग किया और बच्चों ने जिले में तीसरा स्थान प्राप्त किया और ब्लॉक स्तरीय खेल–कूद प्रतियोगिता में बालक और बालिका खो–खो में ब्लॉक चौंपियन रहे। 100 मीटर व 200 मीटर बालिका दौड़ में दूसरा स्थान प्राप्त किया एवम 200 मीटर बालक दौड़ में तीसरा स्थान प्राप्त करके विद्यालय का मान बढ़ाया। इस समय विद्यालय के समस्त कक्षा कक्ष विद्यालय के प्रयोग में ही है सभी कमरों में इंटरलॉक लग चुके हैं, सभी टूटी खिड़की सही हो चुकी हैं। एक विज्ञान प्रयोगशाला का कार्य प्रगति पर है। आर्ट एंड क्राफ्ट रूम और मीना कक्ष प्रगति पर है। सामुदायिक सहयोग से इस वर्ष विद्यालय प्रांगण में 11 वृक्ष लग चुके हैं और सामुदायिक सहयोग से बच्चों को स्वेटर वितरित कर दिए गए है।■

प्रभारी प्रधानाध्यापक, प्रा0वि0 बकैनियां दीक्षित, बरखेड़ा, पीलीभीत।

–राजवीर सिंह, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः–हम विद्यालय में समय की पाबन्दी और अनुशासन पर जोर देते हैं। यही कारण है कि पहले विद्यालय छात्र उपस्थिति 40 प्रतिशत और अब 90 से 95 प्रतिशत रहती है। भोजन के समय उनको अलग–अलग आकृतियों जैसे वर्ग, आयत, त्रिभुज, वृत्त, की आकृतियों में बैठाना व उसके बारे में बताना, उनकी पाठयपुस्तकों से लगभग 300 प्रश्नोत्तर तैयार करके उन्हें प्रार्थना सभा के बाद उनसे पूछना। विद्यालय में ज्यामितीय क्यारी बनाकर उनमें सरसों, गेहूँ आदि बोया हुआ है। एम्लीफायर और माइक हेतु ग्रामीणों ने मदद हेतु 50, 100, 200 और 500 रूपये की धनराशि मेरे पास जमा की। इस प्रकार गांव से सहयोग के रूप में 4550 रूपये एकत्र हुए इसमें एक हजार रूपये का मेरा भी सहयोग रहा। ग्रामीणों की सहमति से एसएमसी अध्यक्ष के साथ इसे खरीदा गया। अब एम्लीफायर और माइक से ही प्रार्थना, पी टी, योग, बालसभा आदि कराये जाते हैं। इसके आने से बच्चों की उपस्थिति प्रार्थना में ही 110 में से 90 से 95 तक हो जाती है। 22 सितम्बर 2017 को स्वच्छ्ता के प्रति जागरूक करने हेतु चौपाल लगाई। उसमें गांववालों का सहयोग मिला। 23 सितम्बर को पूरे गांव में भ्रमण कर उन्हें स्वच्छ्ता के प्रति जागरूक किया। 24 सितम्बर से 10 अक्टूबर तक गांव के मुख्य रास्तों और पूरे गांव में सफाई अभियान चलाकर पूरे गांव को स्वच्छ बनाया।■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय भीती प्रतापपुर, कव्यानपुर, कानपुर।

–बबिता कटियार

कार्य–विवरणः– पदोन्नति के बाद जब विद्यालय में 2014 में ज्वाइन किया तो विद्यालय का माहौल ठीक नहीं था। कमरों में कोई रुचिपूर्ण सामग्री नहीं थी। शिक्षक भी कोई रुचि नहीं लेते थे। बस खानापूर्ति हो रही थी। तब अनुदेशकों के साथ मिलकर कुछ कार्य किये–सभी कक्षाओं में अनुदेशकों की मदद से TLM बनाकर लगाए। रंगोली, पपेट, राखी, थाल, पोस्टर व क्राफ्ट बनवाने व उसकी प्रतियोगिता करवानी शुरू की। बच्चों को शैक्षिक भ्रमण के लिए zoo व बिठूर ले जाना शुरू किया। प्रोजेक्टर, एंड्राइड मोबाइल द्वारा स्मार्ट क्लासेस स्थापित करके audio&visual aid के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाता है। बच्चे अनुशासन में रहने लगे, उनकी उपस्थिति भी बढ़ गयी व आसानी से विषयों को समझने लगे। विद्यालय को लोग पहचानने लगे। 2016 में सीडीओ सर व बीडीओ सर द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक के लिए सम्मानित किया गया। छात्र–छात्राओं ने ब्लॉक स्तर पर हुए इतिहास, संविधान, विज्ञान की प्रतियोगिताओं में टॉप किया। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय कोईलरा, औराई, भदोही

–ज्योति कुमारी

कार्य–विवरणः– मैं जब इस विद्यालय में कार्यभार ग्रहण करने आई उस समय विद्यालय में कुल नामांकन 110 था। मैंने विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं रुचिपूर्ण शिक्षा के प्रति निरंतर प्रयत्न करते हुए बच्चों को सह शिक्षण गतिविधियों से जोड़ने का भरपूर प्रयास किया। विद्यालय में बालमेला महोत्सव, ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन करवाया जिसमें बच्चों की प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिला। इन गतिविधियों के आयोजन से बच्चों के अंदर की झिझक खत्म हो गयी। उक्त के अतिरिक्त प्रत्येक माह के अंतिम दिन उस माह में पैदा होने वाले बच्चों का जन्मदिन मनाए जाने तथा प्रत्येक माह में सर्वाधिक उपस्थिति वाले बच्चों को पुरस्कृत किए जाने की मुहिम छेड़ी गयी जिसका प्रतिफल ये रहा कि वर्तमान समय में नामांकन 215 पहुँच गया। शैक्षणिक गुणवत्ता वृद्धि के क्रम में प्रत्येक माह के अंतिम शनिवार को मिशन शिक्षण संवाद के बैनर तले बच्चों द्वारा मासिक टेस्ट कराया जाता है जिससे उस माह में कराए गए शिक्षण कार्य का सतत मूल्यांकन भी किया जाता है। बच्चों को उत्साहवर्धक एवं उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित किए जाने हेतु उन्हें पुरस्कृत भी किया जाता है। क्रीड़ा(खेलकूद) प्रतियोगिताओं में बच्चों को विशेष अवसर प्रदान कराते हुए उनकी नियमित तैयारी करवाई गई जिसका प्रतिफल यह रहा कि हमारे विद्यालय के बच्चे सत्र 2016–17 में मंडलस्तरीय प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल प्राप्त करने में सफल रहे। ■

प्राथमिक विद्यालय कनकपुरा, तरकुलवा, देवरिया।

–श्रीराम गुप्ता

कार्य–विवरणः– यह विद्यालय पूर्व में आदर्श विद्यालय के रूप में स्थापित रहा, किन्तु विगत वर्षों में उचित मार्गदर्शन न मिलने से अपनी पहचान खो चुका था। बच्चों की उपस्थिति एवं ठहराव हेतु डोर–टू–डोर अभिभावकों तथा बच्चों से सम्पर्क किया तथा बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का विश्वास दिलाया। इसी बीच ब्लॉक स्तरीय खेल–कूद प्रतियोगिता में बच्चों ने 2 रजत पदक तथा 4 कांस्य पदक पर कब्जा जमाकर सर्वांगीण विकास से परिचित कराया। सत्र के अन्त मे 30 मार्च 2017 को कक्षा 5 के छात्रों हेतु भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 1 से 5 तक प्रत्येक कक्षा के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहे बच्चों को तथा BEST ATTENDANCE, BEST UNIFORM और BEST OF SCHOOL बच्चों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सभी बच्चों को विशिष्ट मिष्ठान्न वितरित किया गया। नवीन सत्र 2017–18 में 01 अप्रैल से 20 मई तक नामांकन का शतक पूरा हो गया तथा 31 जुलाई तक कुल नामांकन संख्या 149 हो गई और कुल नामांकन संख्या 82 से बढ़कर 231 पर पहुँच गई। ■

प्राथमिक विद्यालय दरीबा, सतांव, रायबरेली।

–सुमन लता वर्मा

कार्य–विवरणः– विद्यालय में बच्चों को बैठने के लिए फाइबर की कुर्सियों व लकड़ी की चौकियों की व्यवस्था की गई। विद्यालय में पोर्टेबल साउंड व माइक सिस्टम की व्यवस्था की गई। प्रार्थना सभा को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए Assembly&Time Table बनाया गया। जिसमें हर दिन अलग प्रार्थना व गतिविधि को शामिल किया गया। छात्र माइक पर बोलना सीख सकें इसलिए Star छात्रों का परिचय 3 भाषाओं हिंदी, अंग्रेजी व संस्कृत में माइक के माध्यम से लिया जाता है। बच्चों का शैक्षिक स्तर सुधारने के लिए मैं घर पर भी अपने विद्यालय के बच्चों के लिए निःशुल्क अतिरिक्त कक्षाएँ चलाती हूँ। विद्यालय में अनुशासन बना रहे इसलिए बच्चों को विभिन्न वर्गों का प्रभारी नियुक्त किया जैसे–Captain, Vice Captain, Cleanliness Incharge, Food Incharge, Discipline Incharge और

सभी कक्षाओं के Monitor जिन्हें फाइबर बैच भी दिए गए। मिशन शिक्षण संवाद द्वारा संचालित दैनिक श्यामपट्ट कार्य व्हाइट बोर्ड व कलर मार्कर से प्रतिदिन बच्चों को समझाकर लिखाया जाता है। जिससे बच्चों के ज्ञान और संस्कार दोनो में वृद्धि हो रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विद्यालय को आदरणीय खण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया और आदर्श विद्यालय की सूची में विद्यालय का नाम शामिल कर दिया गया। ■

प्राथमिक विद्यालय तिगड़ा, फखरपुर, बहराइच

–आनन्द मिश्र, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः– प्रशिक्षणोपरांत मेरी मौलिक नियुक्ति ब्लॉक–फखरपुर के प्राथमिक विद्यालय तिगड़ा में हुई। यह विद्यालय एकल था जिसमें 239 छात्र नामांकित थे। अत्यंत पिछड़ा एवं दुर्गम इलाका जहाँ बरसात के दिनों में पैदल भी मुश्किल से चला जा सकता है। गाँव में दो चार पढ़े लिखे लोग बच्चों की आम बोल चाल की भाषा में गालियाँ, साफ सफाई, उपस्थिति, विद्यालयी दस्तावेज, blackboard कुछ भी संतोषजनक नहीं। सर्वप्रथम लक्ष्य बच्चों में अच्छी आदतों का विकास करना रखा, साफ सफाई का महत्व, उपस्थिति एवं अनुशासन पर विशेष ध्यान दिया.. इसी दौरान IL & FS EDUCATION के सहयोग से विद्यालय को चार कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, TLM चार्ट, गणित एवं अँग्रेजी की किट इत्यादि सामग्री प्राप्त हुई। जिनके नियमित प्रयोग से बच्चों की उपस्थिति एवं शैक्षिक स्तर में सुधार होना परिलक्षित होने लगा। आपसी सहयोग से क्यारी निर्माण, सभी शिक्षण कक्षों एवं भोजन कक्ष में सीट बेंच की व्यवस्था की गयी है। साथी शिक्षकों के सहयोग एवं मेहनत से एक ऐसा विद्यालय जिसे कोई जानता तक नहीं था आज जनपद में एक दिये की तरह रोशनी बिखेर रहा है। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर।

–नसीम अहमद, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– भौतिक तथा प्राकृतिक परिवेश की सुंदरता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं खेलकूद सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण विद्यालय जनपद में ही नहीं पूरे मंडल में प्रसिद्ध है। वर्तमान में 436 बच्चों का विद्यालय में नामांकन। उच्च कोटि की संचालित विज्ञान गणित तथा भूगोल की प्रयोगशाला। कंप्यूटर शिक्षण हेतु कंप्यूटर की तथा कक्ष की उपलब्धता। स्वच्छ पेयजल हेतु समरसेबल पंप एवं 8 टोंटी युक्त पानी की टंकी एवं 3 इंडिया मार्का हैंडपंप की व्यवस्था। पीटी, खो–खो तथा जूडो सहित सभी खेलों शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु आकर्षक ड्रेस तथा ढोलक हारमोनियम झाल मंजीरा सहित जिम डंबल की पर्याप्त व्यवस्था। खेल फील्ड में हाई मास्क लाइट की व्यवस्था। विद्यालय में गाइड एवं स्काउट की टीम। बालिकाओं के आत्मरक्षा एवं आत्म निर्भरता हेतु सिलाई कढ़ाई एवं जूडो कराटे में प्रशिक्षण की व्यवस्था। गत वर्षों में विद्यालय के बच्चे जिला मंडल एवं प्रदेश स्तरीय खेलकूद एवं शैक्षिक कार्यक्रमों में स्थान प्राप्त करते रहे हैं। गत वर्ष जिले स्तर पर हुआ विज्ञान मेला प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा निर्मित मॉडल चित्रकला भाषण निबंध आदि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिकाओं ने अपने लोकगीत एकांकी समूह गान लोकनृत्य सहित सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में जिला ही नहीं मंडल पर भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। गोला डिस्कस, जूडो, पीटी, अंताक्षरी आदि प्रतियोगिताओं में भी मंडल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के बालकों ने भी कई प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिले में प्रथम स्थान प्राप्त तहसील डुमरियागंज में विद्यालय के बच्चों का योगदान 3/4 एवं मंडल में जिला सिद्धार्थ नगर में प्रथम स्थान में विद्यालय के बच्चों का योगदान 1/3 रहा जो बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन है। Zee News एवं न्यूज 24 जैसे देश के प्रमुख राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय टीवी चैनलों पर विद्यालय तथा यहाँ के शिक्षकों की प्रशंसा होती है। पिछले 2 वर्षों में लगभग 5 बार जिलाधिकारी, दो बार पुलिस अधीक्षक, तीन बार मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों का भ्रमण विद्यालय पर हुआ है तथा सभी ने विद्यालय की भूरि–भूरि प्रशंसा के साथ साथ प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया है। उपरोक्त विशेषताओं तथा उपलब्धियों के कारण वर्ष 2015 में प्रधानाध्यापक नसीम अहमद को राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित भी किया जा चुका है। ■

प्राथमिक विद्यालय रेती खुर्द बुजुर्ग, सतांव, रायबरेली।

–सैय्यद अरशद अब्बास, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– 8 अप्रैल 2011 को प्रधानाध्यापक के रूप में कदम रखते ही मेरी शैक्षिक प्रगति यात्रा का आरंभ हुआ। प्रथम पड़ाव था उपलब्ध स्टाफ को अपनी प्रगति यात्रा में सम्मिलित करना और ये कार्य इतना सरल न था। 26 जनवरी 2012 को 'गणतंत्र दिवस' के अवसर पर प्रथम बार विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गाँव के लोगों का खोया विश्वास धीरे–धीरे वापस आने लगा और जनसहयोग बनता गया। गत छः वर्षों में विद्यालय ने प्रगति करते हुए विकास क्षेत्र के अग्रणी विद्यालय के रूप में जगह बनाई तथा जनपद रायबरेली में भी अपनी विशेष पहचान के रूप में उभर आया। आज विद्यालय में सभी विशेष उत्सवों/दिवसों को मनाया जाता है। विद्यालय में शैक्षिक गतिविधियों के साथ–साथ अभिभावक बैठक, विद्यालय प्रबन्ध समिति बैठक, स्कूल चलो अभियान, आईकार्ड वितरण, नवोदय/विद्याज्ञान परीक्षाओं की तैयारी, सामान्य ज्ञान, प्रार्थना सभा, पी०टी०, शारीरिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समावेश किया जाता है। विद्यालय की शैक्षिक प्रगति को देखते हुए जिला अधिकारी रायबरेली द्वारा विद्यालय को विशेष विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रायबरेली, खण्ड शिक्षा अधिकारी सतांव, रायबरेली, व्यापार मण्डल रायबरेली द्वारा भी विद्यालय को पुरस्कृत किया जा चुका है। ■

प्राथमिक विद्यालय–महशौनपुर, उमर्दा, कनौज।

–वैभव राजपूत,

कार्य–विवरणः– विद्यालय में पोर्टेबल स्पीकर सिस्टम और माइक,ब्ब्ज्ट, झूले, पानी हेतु समरसेबिल व 14 टोंटी, मोनो फोन जिससे प्रार्थना–सभा सुव्यवस्थित हो गई। प्रतिदिन पीटी, व्यायाम, योगा, दैनिकचर्या, सामाजिक घटनाएँ। कला की विधि से पढ़ाई, पोस्टर tlm, Technique के माध्यम से बच्चों को पढ़ाया जाने लगा। छात्रों को सुव्यवस्थित एवं अनुशासित करने के लिए उन्हें टाई, बेल्ट, आई–कार्ड, मोजे स्वेटर, वितरित किये गए। छात्र–छात्राओं की बाल संसद बनायीं। नामांकन बढ़ाने हेतु,जनसम्पर्क, smc सेवा, ऑटो काल सेवा का प्रयोग किया। बच्चों को सनमाइका युक्त आकर्षक फर्नीचर बनवाकर दिए गए। सभी कक्षाओं में विषयानुसार tlm कबाड़ से जुगाड़ का प्रयोग किया गया। कक्षों की भीतरी एवं बाहरी साज सज्जा को मनमोहक बनाया गया। 5 सितम्बर 2015 को डीएम सर द्वारा सम्मानित किया गया व बेसिक शिक्षा विभाग, कन्नौज द्वारा मेरे विद्यालय को 5 सितम्बर 2016 को सम्मानित किया गया। ■

प्राथमिक विद्यालय सुरतापुर, मोहम्मदाबाद, गाजीपुर।

–बिन्दू राय

कार्य–विवरणः– नियुक्ति के बाद विद्यालय में आयोजित की जाने वाली बच्चों हेतु अतिरिक्त गतिविधियाँ– खेल कूद, नृत्य, क्रॉफ्टिंग, चित्रकला, क्ले मॉडल, रोलप्ले, रंगोली निर्माण, विज्ञान मॉडल निर्माण, खेल पद्धति, कांसेप्ट मैपिंग, कहानी विधि, चित्रकथा, वाक्यांश पूर्ति, निबंध विधि इत्यादि के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना। साप्ताहिक परीक्षा, बच्चों की कॉपियों को चित्रात्मक बनवाना, अभिभावक संपर्क, बच्चों को हाउस में बांटकर हाउस कॉपियाँ बनवाना, महीने के अंत मे आसपास के किसी स्थान पर पिकनिक ले जाना। बच्चों को अंतिम पीरियड में विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ भी कराई जाती है ताकि अगले दिन विद्यालय आने के लिए बच्चा लालायित रहे। समय समय पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाने लगा। कक्षाओं को विविध कलाकृतियों से सुसज्जित करना इत्यादि। जो बच्चा होमवर्क सही–सही कर लेता है पाठ याद कर लेता है, सुंदर लिखता है, सुंदर कला बनाता है उसके लिए एप्रीसिएशन चेयर पर बैठने का प्रावधान सुनिश्चित है परिणामस्वरूप सभी बच्चों में होड़ सी मच गई कि हम काम पूरा करे और चेयर पर बैठें। बच्चे ने सभी विषयों की चित्रात्मक कॉपियाँ बना ली हैं। प्रत्येक शनिवार को बच्चे कुछ कलात्मक चीजें बनाते हैं, कुछ अपने मन से और कुछ टीचर के मार्गदर्शन में। विद्यालय की कार्यप्रणाली के आधार पर हमारे विद्यालय का दो बार चयन D.M. गाजीपुर द्वारा 'स्कूल ऑफ द मंथ' में किया गया और सम्मानित भी किया गया। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय बूड़ा, बर्डपुर, सिद्धार्थनगर।

–महेश कुमार

कार्य–विवरणः– जब मैं विद्यालय गया तो कुल 04 बच्चे मिले। विद्यालय अकादमिक स्तर मूलभूत सुविधाओं तथा अन्य मानकों पर पिछड़ा हुआ था। विद्यालय में वर्ष 2013 के बाद से कोई स्थायी अध्यापक नहीं था, दो अनुदेशक जो इस सोच में थे कि अगले सत्र मे उनका चयन होगा कि नहीं। विद्यालय की अपनी कोई पहचान नही थी। परिसर मवेशियों का घर बन चुका था। परिवेश शिक्षण हेतु प्रतिकूल था। इस दयनीय परिस्थितियों में मैंने संकल्प लिया की इसका भौतिक परिवेश बदल दूंगा। इसके लिये मैंने जो बच्चे विद्यालय आते उन्हे अतिरिक्त समय देना शुरू किया, जिससे बच्चों में पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ी। ढ़ोल, मंझिरा, डम्बल खरीद कर लाया जिससे प्रार्थना सभा सुव्यवस्थित हो गयी। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय बझेड़ा–बझेड़ी, निगोही,जनपद–शाहजहाँपुर।

–प्रदीप कुमार, सहायक अध्यापक विज्ञान,

कार्य–विवरणः– कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात से ही विज्ञान शिक्षण को रुचि पूर्ण, प्रभावी एवं सरल बनाने के लिये स्वयं के प्रयासों से एक अत्यंत आधुनिक एवं सुसज्जित प्रयोगशाला का निर्माण प्रारम्भ किया। जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश ही नहीं देश को पहली स्वयं के प्रयासों से निर्मित स्मार्ट लैब प्राप्त हुई। वर्तमान में यूपीएस बझेड़ा–बझेड़ी की प्रयोगशाला में विज्ञान शिक्षण हेतु कक्षा 6 से लेकर कक्षा 8 तक की विज्ञान विषय की सभी इकाइयों से सम्बंधित स्वनिर्मित आसुरचित उपकरण (शून्य लागत) एवम प्रयोगों की व्यवस्था है। विज्ञान शिक्षण में विद्यालय की उपलब्धि को देखने के लिये प्रदेश स्तरीय शिक्षा अधिकारियों द्वारा विद्यालय का समय समय पर भ्रमण किया गया। जिनमें से प्रमुख हैं–श्रीमती शशि देवी(सहायक शिक्षा निदेशक), श्री महेन्द्र पाल सिंह यादव(डी0डी0 आर0 इलाहबाद), श्री राम गणेश(D. M.), श्री नरेन्द्र सिंह(D.M.), श्री मनोज वर्मा(BSA), श्री राजेश वर्मा(BSA), श्री राकेश वर्मा(BSA) पाँच जनपदों के खंड शिक्षा अधिकारी बदायूं, पीलीभीत, हरदोई, रामपुर, बरेली, शाहजहाँपुर। विद्यालय में 6 मई से 8 मई 2014 को राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विद्यालय एवम विज्ञान शिक्षक की उपलब्धियो को देखते हुए मुझे अनेकों प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र, प्रोत्साहन एवम पुरस्कार प्रदान किये गए। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बझेड़ा–बझेड़ी में निर्मित प्रयोगशाला पूरे प्रदेश के पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यालयों की श्रेष्ठ प्रयोगशालाओं में सम्मिलित है। ■

प्राथमिक विद्यालय तालग्राम, तालग्राम, कन्नौज।

–आशुतोष दुबे, सहायक अध्यापक,

कार्य–विवरणः– आजादी के पहले से बना विद्यालय भवन गिराया जा चुका था जिससे विद्यालय का भौतिक परिवेश बहुत ही दयनीय स्थिति में था व अतिरिक्त कक्षाओं मे शिक्षण कार्य किया जा रहा था। छात्रसंख्या 235 व उपस्थिति 50ः से भी कम थी। विद्यालय को उत्कृष्ट बनाने के लिए व समाज में एक पहचान दिलाने के लिए प्र0अ0 महोदय 1 स0अ0 व 2 शिक्षामित्रों के साथ मिलकर निम्न कार्य प्रारम्भ किए गए– बाल संसद (मेरा विद्यालय–मेरी नजर से) नवाचार को क्रियान्वित किया गया। वृक्षारोपण व वृक्षजन्मोत्सव मनाना। विद्यालय में दो कूड़ेदान हरा व नीला की व्यवस्था, समर व 3 नवीन शौचालय का निर्माण। एमडीएम क्यारी का निर्माण, अनुमति पत्र का निर्माण, प्राकृतिक खाद का निर्माण, ग्रीष्मकालीन गृहकार्य। शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार के अन्तर्गत समस्त 11 नवाचार क्रियान्वित। ड्रम द्वारा पी.टी. व योगासन। विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन, वार्षिक पुरस्कारों का आयोजन। 5 सितंबर 2016को बेसिक शिक्षा विभाग उ0प्र0 द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार। श्री विजय बहादुर पाल (शिक्षा रा. मन्त्री, उ0प्र0) द्वारा स्मार्ट आडियो डिवाइस। ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2016–चौम्पियन। जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता द्वितीय स्थान। 20 नवंबर 2016 शिक्षा मे शून्य निवेश नवाचार के अन्तर्गत मुख्यमंत्री सम्मान। खण्ड शिक्षा अधिकारी, सह समन्वयक, संकुल प्रभारी द्वारा प्रशंसा पत्र। पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी द्वारा विद्यालय

को प्रमाण पत्र। ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2017 चौम्पियन। शिक्षा मे शून्य निवेश नवाचार के अन्तर्गत जिले का पहला विद्यालय जिसकी वेबसाइट बनी।■

प्राथमिक विद्यालय मिश्रौलिया, खलीलाबाद, संतकबीर नगर।

–आरती श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– पठन–पाठन के स्तर पर संसाधनों के अभाव का रोना रोने के स्थान पर जो चीजें उपलब्ध हैं उनके सदुपयोग पर ध्यान दिया। मेरे सामने सर्वप्रथम कक्षा कक्ष की दीवारें थीं जिन पर खूब चित्रात्मक व क्राफ्ट आदि के प्रयोग द्वारा तथ्यों को अधिक से अधिक इंद्रियग्राही बनाने का प्रयास किया तथा इसके सकारात्मक परिणाम भी प्राप्त हुए। नवाचारों में स्मार्ट फोन को मोबाइल स्क्रीन लार्जर के प्रयोग द्वारा छोटे प्रोजेक्टर के तौर पर इस्तेमाल किया जिससे शिक्षण अधिक रोचक बन पड़ा। भौतिक परिवेश को भी साल दर साल बेहतर बनाने का प्रयास किया तथा दो कक्षाएँ स्वलागत द्वारा कुर्सी मेज युक्त कीं तथा मेरे विद्यालय स्टाफ के साथ साथ विभागीय सहयोग से विद्यालय निरूसंदेह ऐसी स्थिति में है जो न केवल शिक्षण वरन् भौतिक परिवेश व सुविधाओं के मामले में भी किसी भी निजी विद्यालय की समकक्षता कर सकता है।■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय नरायनपुर, स्वार, रामपुर।

–वर्षा गर्ग

कार्य–विवरणः– छात्र–छात्राओं के बीच में से चुनकर स्कूल कैप्टन, वाइस–कैप्टन और मॉनिटर बनाये गए। उन्हें उनके पदानुरूप बैच बनवाकर दिए गए। Holiday&Homework छपवाकर बच्चों को वितरित किया गया। बच्चों को प्रचुर मात्रा में नवीन खेल सामग्री खरीदकर वितरित की गई। प्रत्येक कक्षा में प्रतिमाह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को Topper of the Month के रूप में पुरस्कृत किया गया। Clay&Modelling, Rangoli&Making, Puppet&Making, Rakhi&Making, Poster&Making, Math&Race, Sack&Race, Jalebi&Race एवं अन्य अनेक प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यालय में समय–समय पर कराई गईं। मेरे द्वारा विज्ञान प्रयोगशाला में सूर्यमंडल प्रयोगशाला की छत पर पेंट करवाया गया जिसके प्रत्येक ग्रह की जानकारी स्वयं बच्चों द्वारा अधिकारियों के समझ दी गयी। Students Committees गठित करके बच्चों को विभिन्न दायित्वों का सुचारू निर्वहन सिखाया गया। नवाचार कार्यक्रम के तहत बेसिक शिक्षा विभाग, उ0प्र0 द्वारा मेरे विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंडल–स्तर पर मुझे उत्कृष्ट विज्ञान शिक्षण हेतु सम्मानित किया गया। मेरे विद्यालय के छात्र–छात्राओं का विज्ञान प्रदर्शनी में ब्लॉक स्तर, जनपद स्तर तथा राज्य स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। विद्यालय के बच्चों द्वारा इंग्लिश में 15 अगस्त की स्पीच दी गयी। विद्यालय के बच्चे सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में न्याय पंचायत स्तर, ब्लॉक स्तर पर पुरस्कृत किये जा चुके हैं।■

प्राथमिक विद्यालय नयागांव, शाहाबाद, हरदोई।

–ऋचा मौर्य, सहायक अध्यापक,

कार्य–विवरणः– छात्रों की बोलचाल में सुधार अच्छी आदतों का विकास। पहले छात्र अपनी ग्रामीण बोली में ही बात किया करते थे धीरे धीरे उनकी बोली में सुधार करवाया आज उसका परिणाम यह है कि पहली क्लास में आया हुआ बच्चा खुद ही सीखकर अच्छी बोलचाल में बात करता है। सामान्य बोलचाल में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग सिखाना। शिक्षण के लिए टी एल एम का निर्माण–जसउ किसी भी शिक्षण कार्य में बहुत ही महत्व रखता है मैंने tlm के क्षेत्र में विशेषकर कार्य किया है टी एल एम को अत्यंत सरल रोचक ढंग से बनाने का प्रयास किया। छात्रों के द्वारा क्राफ्ट वर्क, छात्र प्रदर्शन पर जोर। गतिविधि आधारित शिक्षण, उत्साहवर्धन हेतु छात्रों को पुरस्कार वितरण। खण्ड शिक्षा अधिकारी, मनोज बोस जी द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान मिला है।■

प्राथमिक विद्यालय मैनपुर कोट, कसया, कुशीनगर।

–प्रज्ञा राय, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः– यहाँ के मुसहर बच्चे चूहा, सीपी, घोंघा, मछली तथा अभिभावकों के संग ईट–भट्टों पर कोयला चुनने को ही अपना जीवनयापन समझते थे। अव्यवस्थित जीवन शैली और अस्वच्छता ही इनकी पहचान थी। हमने 'पहला कदम आपके द्वार' कार्यक्रम चलाया जिसमे गाँव के शिक्षित वर्ग ने पूर्ण सहयोग किया। अभिभावकों के साथ उनके घर बैठकर घर मे फैली गंदगी, दरवाजे पर रखे कूड़ा–करकट और नालियों में रुके पानी से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया ताकि अभिभावकों का लगाव मुझसे स्थापित हो सके। गंदे बच्चों को नहलाना, कंघी करना, गंदे एवम बढ़े हुए नाखूनों को काटना, उनके फटे–पुराने कपड़ों की मरम्मत करके उन्हें विद्यालय तक लाना और शिक्षा के मूल उद्देश्य से जोड़ने का प्रयास प्रारम्भ किया। आज मेरे विद्यालय में नामांकित 155 बच्चों के सापेक्ष औसत उपस्थिति 120–140 के मध्य रहती है। मेरे बच्चे गणित, विज्ञान, हिन्दी एवम अंग्रेजी की अपेक्षित जानकारी रखते हैं। अपने घर पर स्वास्थ्य और शिक्षा के प्रति जागरूकता की चर्चा भी करते हैं। साथ ही ईश वंदना, राष्ट्रगान और सामान्य ज्ञान के साथ अपने विद्यालय जीवन की शुरुवात करते हैं। भोजन मन्त्र का सामूहिक वाचन करने के पश्चात मध्यान्ह भोजन ग्रहण करते हैं तथा विद्यालय बन्द होने पर वन्देमातरम के उदघोष के साथ अपने घर को जाते हैं।■

प्राथमिक विद्यालय हृदयनगर, बलरामपुर।

–ब्रजेश कुमार द्विवेदी, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरण :– प्रार्थना–सुबह की शुरूआत बीएसए सर द्वारा प्रदत्त साउण्ड सिस्टम से माँ सरस्वती की वंदना से होती है। सभी अध्यापक नवाचार व स्वंय के नवाचार tlm व व्हाइट बोर्ड के माध्यम से सिखाते हैं। प्र0अ0 ब्रजेश कुमार द्विवेदी द्वारा गणित मे संख्याओं के ज्ञान पर किया गया नवाचार नीम के सीक से अक्षर ज्ञान का नवाचार कान्सेप्ट मैपिंग से शिक्षण नवाचार बच्चों द्वारा काफी पसंद किया जाता है। विद्यालय की व्यवस्था के विकेन्द्रीयकरण के लिये समितियाँ बनाई गयी हैं जिसमें एक छात्र अध्यक्ष व एक टीचर कोआर्डिनेटर व 4 सदस्य छात्र है। जैसे–प्रार्थना समिति स्वच्छता समिति भोजन समिति शिक्षा समिति पुस्तकालय समिति खेल समिति। दीवारें बोलती हैं–बच्चों द्वारा देखकर सीखने नवाचार के अन्तर्गत दीवारों पर समस्त प्रधानमन्त्री, राष्ट्रपति, प्रमुख वैज्ञानिक व उनके आविष्कार, सौरमण्डल, प्रकाश संश्लेषण, ज्ञानेन्द्रियों, सूर्यग्रहण, वर्णमाला आदि का फ्लेक्स प्रिंटिंग लगाया गया है। प्री प्राइमरी में 33 बच्चे नामांकित हैं जो बीएसए सर द्वारा शुरू किया गया एक सफल कार्यक्रम है। इसके कारण उपस्थिति में सुधार हुआ जो बच्चे भाई बहनों के देखभाल के कारण स्कूल नही आ पाते थे वे स्कूल आने लगे। आच्छादित विद्यालय–विद्यालय में नौ गाँव से बच्चे पढ़ने आते हैं जैसे–पाला, लालाजोत, चील्ही कला, नसीबगंज, लखाही, हृदयनगर प्रथम, हृदयनगर द्वितीय, भगवानपुर, घोसियार। संविधान दिवस पर बच्चों को एबीआरसी श्री पंकज पाण्डेय द्वारा पुरस्कृत किया गया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में तत्कालीन खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री एमपी सिंह सर द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया। सत्र 2016–17 में खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री ओपी कुशवाहा सर द्वारा कक्षा में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त बच्चों को पुरस्कृत किया गया। प्र0अ0 ब्रजेश कुमार द्विवेदी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री रमेश यादव सर द्वारा सत्र 2016–17 का उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार दिया गया।■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय यूपीएस तरीनपुर, नगर क्षेत्र, सीतापुर।

–रुबीना,

कार्य–विवरणः– मेरा विद्यालय 1904 का निर्मित है और बहुत जर्जर हाल में है। सबसे पहले विद्यालय की पूरी पुताई कराई गई। जिसकी दीवारें करीब 25 फीट ऊँचाई की है। विद्यालय की यथासम्भव बेहतर मरम्मत स्वयं के द्वारा करवाई। मीना मंच के माध्यम से बालिका शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। बालिकाओं के अभिभावकों से मिलकर उन्हें समझया गया और कुछ

बालिकाओं को कक्षा 9 में प्रवेश करवाकर उनकी ड्रेस, कॉपी किताब की व्यवस्था की गई। विद्यालय में स्पीकर सिस्टम और माइक द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ड्रम द्वारा प्रतिदिन P.T. कराई जाने लगी। छात्र–छात्राओं के बीच में से चुनकर स्कूल कैप्टन, वाइस–कैप्टन और मॉनिटर बनाये गए। उन्हें उनके पदानुरूप बैच बनवाकर दिए गए। नामांकन के विशेष प्रयास से छात्र संख्या 35 से बढ़कर 65 हो गई। कक्षों की भीतरी एवं बाहरी दीवारों पर रंगीन पुताई करवाई गई। 4 कक्षों की छतों, फर्शों एवं नाली को तुड़वाकर पूर्णरूप से पक्कीकरण करवाया गया। बच्चों को प्रचुर मात्रा में नवीन खेल सामग्री खरीदकर वितरित की गई। प्रत्येक कक्षा में प्रतिमाह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को Topper of the Month के रूप में पुरस्कृत किया गया। बच्चों की अभ्यास–पुस्तिकाओं को जाँचते समय उनपर शिक्षकों द्वारा प्रशंसक शब्दों वाली रंगीन मोहरें लगाई गईं। Students' Committe मे गठित करके बच्चों को विभिन्न दायित्वों का सुचारू निर्वहन सिखाया गया। शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार के अंतर्गत, विद्यालय को प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया। मेरे विद्यालय के छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रशासनिक एवं विभागीय अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुतियाँ दी जा चुकी हैं।■

प्राथमिक विद्यालय राजपुरा, मेरठ

–पुष्पा यादव

कार्य–विवरणः– मैं पुष्पा यादव वर्तमान में राजपुरा प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत हूँ। सबसे पहले विभाग की मदद से मैंने स्कूल की चारदीवारी बनवाई ओर उस पर मेन गेट चढ़वाया। मिट्टी डलवाकर पूरे स्कूल को एकसार करवाया। पूरे प्रांगण में टाइल्स लगवाई और समस्त निर्माण की रंगाई पुताई करवाई। बच्चों के लिये फर्नीचर बनवाया। अपने खुद के प्रयासों से बिजली का कनेक्शन करवाया और अपने पैसे से सभी क्लासेज में पंखे और लाइट की विवस्था की। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों और अन्य टीचर्स की मदद से दीवारों पर चित्रकारी करवाकर उनको आकर्षक बनवाया। आज मुझे खुशी है कि इन सबके अथक प्रयासों से हमारे विद्यालय में छात्रों की संख्या 80 से बढ़कर 143 हो गई है। आज हमारे विद्यालय में हर वो सुविधा है जो एक पब्लिक स्कूल में होती है। हम लोग समय–समय पर महापुरुषों की जयंती, खेलकूद प्रतियोगिता, नृत्य और गायन प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आई ई सी (information education campaign) कराते हैं। प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार वितरण शहर के गणमान्य विभूतियों के हाथों से कराया जाता रहा है। साक्षात्कार रैली, पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन, पौधारोपण कार्यक्रम, मेडिकल कैम्प भी लगवाया जाता रहा है।■

ब्लॉक संसाधन केन्द्र बर्डपुर, सिद्धार्थनगर।

– अंशुमान सिंह, सह समन्वयक,

कार्य–विवरणः– 20 सितम्बर 2013 को सह समन्वयक के रूप में चयनित होकर बी0आर0सी0 बर्डपुर आए। बी0आर0सी0 सह समन्वयक के रूप में ब्लॉक के विद्यालयों का नियमित अनुश्रवण, अनुश्रवण के दौरान शिक्षकों व छात्रों की पठन–पाठन सम्बन्धी समस्याओं का समाधान करना, गणित व विज्ञान के विभिन्न प्रकरणों पर टी0एल0एम0 का निर्माण कर आदर्श पाठ योजना प्रस्तुत करना कार्यशैली बन गया। शिक्षकों को अभिप्रेरित करने के माध्यम के क्रम में मेरे द्वारा Pedagogy unit of UP नाम से वर्ष 2015 से एक व्हाट्सएप्प ग्रुप भी संचालित किया गया है जिसमें इस जनपद के साथ साथ अन्य जनपदों के शिक्षक शिक्षिकाएँ भी सदस्य हैं। इस ग्रुप के कुछ शिक्षक साथी कपिलवस्तु महोत्सव सेमिनार हेतु चयनित हैं। ब्लॉक संसाधन केंद्र सह समन्वयक के रूप में मेरे द्वारा विद्यालयों का पर्यवेक्षण, अनुश्रवण व अनुसमर्थन एक निरंतरता के साथ किया जाता है। विगत विभिन्न सत्रों में जनपद के जिला सन्दर्भदाता (डी0आर0जी0) के सदस्य के रूप में भी अनुश्रवण व अनुसमर्थन का कार्य किया गया। वर्तमान में सीमैट, इलाहाबाद में संचालित सह–समन्वयकों के प्रशिक्षण व कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों के प्रशिक्षण में विभिन्न बैच में सन्दर्भदाता का उत्तरदायित्व निभा रहा हूँ।■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय डभका, औराई, भदोही।

–डॉ0 मानिक चन्द पाल,

कार्य–विवरणः– विद्यालय में आवश्यक उपकरणों एवं रसायनों के संग्रह से सज्जित प्रयोगशाला बनाई गई है, जिसमे विज्ञान विषय से सम्बन्धित समस्त प्रयोगात्मक कार्यों का बच्चों द्वारा कुशल संचालन किया जाता है। कक्षा शिक्षण प्रक्रिया को जीवंत एवं रुचिपूर्ण बनाने हेतु पाठ्यक्रम से सम्बंधित जसउ का निर्माण कबाड़ से जुगाड़ द्वारा प्रयोगशाला में कराया जाता है। बच्चों द्वारा कराए गए प्रयोगात्मक कार्यों का विवरण प्रयोगशाला पंजिका में अभिलिखित रूप में रखा भी जाता है। विद्यालय स्तर पर विज्ञान क्लब का गठन किया गया है, जिसमें प्रत्येक माह के किस राष्ट्रीय अथवा अंतराष्ट्रीय दिवस यथा–विश्व जनसंख्या दिवस, अन्तराष्ट्रीय ओजोन दिवस आदि पर किस विशेषज्ञ अतिथि के माध्यम से समसामयिक एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर चर्चा परिचर्चा की जाती है। विद्यालय में अंग्रेजी एवं ज्ञानवर्धक लगभग 500 पुस्तको से सुसज्जित पुस्तकालय भी स्थापित की गई है। कक्षा के मेधावी छात्र छात्राओं द्वारा अतिरिक्त कक्षा शिक्षण की व्यवस्था की जाती है जो कि अध्यापकों के कुशल निर्देशन में बच्चों की तैयारी समय–समय पर कराते रहते हैं। प्रत्येक शैक्षणिक स्तर में छः दिवसीय तीन विशेष शिविर (ग्रीष्म, वर्षा, शीत) का आयोजन किया जाता है। ग्रीष्मकालीन शिविर में सिलाई कढ़ाई मेहंदी, कोलाज, अल्पना निर्माण, वर्षा ऋतु में मुरब्बा अचार बनाने की विधि तथा शीत कालीन शिविर में ऊनी वस्त्र निर्माण कशीदाकारी का ज्ञान प्रदान किया जाता है। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय वहिनी, चित्रकूट।

–राम नारायण पांडे, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः– कक्षा में शब्द पहेली अंग्रेजी अक्षर के जादू शब्द निर्माण का अनोखा ढंग। प्रांगण–थियेटर, शैक्षिक खेल, बागवानी। प्रार्थना सभा में–तीन भाषाओं में प्रार्थना, सात अन्य राष्ट्रीय भाषाओं में राष्ट्रगीत गायन। विज्ञान व गणित पखवाड़ा एवं ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन। परिचय पत्र, येलो, ग्रीन, रेड हाउस का निर्माण कर बागवानी, स्वच्छता व अनुशासन को बढ़ावा देना। लोक कलाओं लोकगीतों का शिक्षण में पूर्ण प्रयोग। विद्यालय से बस्ती की ओर कार्यक्रम द्वारा समाज को जोड़ने का कार्य। समाचार वाचन, सूक्ति वाचन बच्चो द्वारा कराया जाता है। हमारे विद्यालय में प्रांतगीत, जनपद के आल्हागीत, फोर इन वन लोकगीतों का अनूठा असर दिखाता है। यह सब हमारी पत्रिका शिक्षा टाइम्स में भी प्रकाशित है। हर वर्ष विद्यालय को नए विशेषण से अलंकृत करना ताकि नवीनता दिखे। हर वर्ष कुछ नए चेतना गीत को शामिल करना। मीना मंच का हर वर्ष गठन। थियेटर मंचन के द्वारा भाषायी कौशल और अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास। सबसे महत्वपूर्ण भूमिका मेरी स्वरचित बाल रुचि संवर्धन गुटिका ने निभाया जिसने हर विषय को थोड़ा–थोड़ा स्पर्श किया है, जो मनोरंजन के साथ शिक्षण में भी सहायक है। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय खम्हरिया दमुआन, छानबे, मीरजापुर।

–विनोद कुमार मिश्र, सहायक अध्यापक

कार्य–विवरणः– विद्यालय में दिनांक 06 फरवरी 2007 को कार्यभार ग्रहण करने के बाद खेलकूद, योगासन, अभिनय एवं विभागीय/परिवेशीय सहायक सामग्रियों की सहायता से शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए स्थानीय समुदाय से सम्पर्क एवं विद्यालयीय बागवानी को आकर्षक बनाकर जनमानस को विद्यालय की ओर आकर्षित किया। छात्र संख्या में एक तरफ वृद्धि हो रही थी तो दूसरी तरफ यहाँ के छात्र राज्य स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में प्रतिभाग और राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा उत्तीर्ण करते हुए विद्यालय को गौरवान्वित कर रहे थे। विद्यालय में चहारदीवारी मरम्मत, स्वच्छ हवादार शौचालय सह मूत्रालय, मध्याह्न भोजन ग्रहण करने हेतु छात्रों के लिए सीमेंटेड डेस्क–बेंच सहित शेड का निर्माण ग्राम पंचायत निधि से तथा किचन एवं अतिरिक्त कक्षा–कक्ष विभागीय मद से पूर्ण कराया गया। मीना रेडियो कार्यक्रम ने विद्यालय को नई ऊँचाई प्रदान की मीना रत्न पुरस्कार मिला साथ ही एस०सी०ई०आर०टी० उत्तर प्रदेश एवं स्टर एजूकेशन नई दिल्ली द्वारा मेरा नवाचार भी चयनित किया गया। वर्तमान में बाल सरकार और आनंददायी शिक्षण विधा नामक नवाचार से मैं उत्साहित हूँ। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय हस्तिनापुर, बड़ागांव, झाँसी (उ.प्र.)

–डॉ0 खुर्शीद हसन, विज्ञान शिक्षक(स.अ.)

कार्य–विवरणः– अंतर्जनपदीय स्थानान्तरण के फलस्वरूप मेरी पदस्थापना दिनांकरू 09/09/2013 को पूर्व माध्यमिक विद्यालय हस्तिनापुर विकासखण्ड–बडागांव, जिला–झाँसी में विज्ञान शिक्षक के रूप में सहायक अध्यापक के पद पर हुयी। मैंने समस्याओं से निपटने के लिये दो बिन्दुओं पर व्यक्तिगत स्तर पर कार्य करना आरम्भ किया। पहला–भौतिक परिवेश में सुधार हेतु टी एल एम्, मॉडल व प्रयोगों के लिए आवश्यक सामग्री की व्यवस्था विद्यालय भवन की रंगाई पुताई व दीवारों पर विषय वस्तु से सम्बंधित् चित्रों का निर्माण, दूसरा–शैक्षिक वातावरण के लिए नवाचार का प्रयोग शिक्षण में करना व विज्ञान के प्रकरणों को छात्रों की सहभागिता से प्रयोग द्वारा समझाना।

कार्य योजनाः– विद्यालय भवन को सुन्दर स्वच्छ एवं आकर्षक बनाना।कक्षा–कक्षों को पाठ्यक्रम के अनुसार चित्रों एवं टी. एल.एम. से सुसज्जित करना। छात्रों के बैठने हेतु CSR द्वारा उच्च गुणवत्ता के फर्नीचर के व्यवस्था करना। छात्रों को आईकार्ड . टाई–बेल्ट का वितरण करना। प्रार्थना सभा एवं बाल सभा को प्रभावी बनाने के लिए स्टाफ के सहयोग से पोर्टेबल साउंड सिस्टम की व्यवस्था। वृक्षारोपण करना एवं छात्रों के सहयोग से फूलों से भरी क्यारियों का निर्माण। उत्कृष्ट सुन्दर,सुसज्जित, आकर्षक, उपयोगी एवं क्रियाशील प्रयोगशाला का निर्माण। विज्ञान विषय आधारित टी.एल.एम्. निर्माण। मॉडल निर्माण। नवाचारी शिक्षण विधियों का प्रयोग। प्रत्येक गतिविधियों में छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित करना। शिक्षण की हर विधा का प्रयोग (प्रयोगात्मक शिक्षण, क्रियात्मक शिक्षण, गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल द्वारा शिक्षण, कक्षा मुक्त शिक्षण कांसेप्ट मेपिंग विज्ञान विषय हेतु।

विज्ञान प्रयोगशालाः– मेरे द्वारा विद्यालय स्तर पर विज्ञान शिक्षण में अपनाई जा रही प्रयोगात्मक गतिविधियों एवं नवाचारों से प्रभावित होकर विद्यालय का चयन प्रयोगशाला विकसित करने के लिए किया गया जिसका दायित्व मुझे सौपा गया। मेरे द्वारा प्रयोगशाला को आकर्षक, उपयोगी, ज्ञानपरक और सार्थक बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया। प्रयोगशाला हेतु मेरे द्वारा आकर्षक, उपयोगी एवं पाठ्यक्रम के अनुरूप फ्लेक्स का निर्माण कराया गया। प्रयोगशाला में छात्रों के सक्रिय सहयोग से विभिन्न प्रकार के मोडल एव टी.एल.एम. का निर्माण किया गया। वर्तमान समय में विज्ञान प्रयोगशाला पूर्णरूप से क्रियाशील है अपने लक्ष्य की और अग्रसर है। मेरे कार्यों एवं विचारों को सदैव विद्यालय स्टाफ द्वारा सहयोग एवं समर्थन प्रदान किया गया। विज्ञान प्रयोगशाला विद्यालय के आकर्षण का मुख्य केंद बन गयी है। प्रयोगशाला निर्माण के बाद SCERT की टीम द्वारा प्रयोगशाला का निरीक्षण किया गया तथा टीम प्रमुख श्री आर. एन. सिह द्वारा मुक्त कंठ से प्रशंसा की गयी। इसके अतिरिक्त जनपद सोनभद्र, जालौन, ललितपुर आदि के बिभिन्न शिक्षकों द्वारा प्रयोगशाला का भ्रमण किया जा चुका। जनपद झाँसी के भी बिभिन्न विकासखंडो के शिक्षकों द्वारा भी समय समय पर प्रयोगशाला का भ्रमण किया जा रहा है। वर्तमान एवं तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा भी प्रयोगशाला का भ्रमण किया गया और भविष्य के शुभकामनाएँ प्रेषित की गयीं। विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान, बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा सम्मान, दो राज्यस्तरीय सेमिनारों में नवाचार के लिये पुरुस्कार एवं सम्मान। समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें। ब्लॉक एवं जिला स्तरीय विज्ञान मेला में विद्यालय को विभिन्न प्रतियोगिताओं में पाँच प्रथम एवं एक द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्तमान समय में विद्यालय जनपद झाँसी के श्रेष्ठ विद्यालयों में शुमार है। बी.एस.ए. के आदेशानुसार खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा विभिन्न विकासखंडों में विज्ञान शिक्षण में मार्गदर्शन हेतु कार्यशालाओं में लगातार आमंत्रित किया जा रहा है। प्रदेश के अधिकांश जनपदों के शिक्षकों द्वारा मेरे द्वारा निर्मित मॉडल, TLM, प्रयोगों एवं शिक्षण विधियों को अपनाया जा रहा है। पिछले माह श्रीमान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी झांसी द्वारा भी विद्यालय का निरीक्षण किया गया और विद्यालय में किये जा रहे प्रयासों के लिए समस्त स्टाफ को बधाई दी एवं छात्रों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में विद्यालय को स्मार्ट क्लास शीघ्र ही उपलब्ध कराने की घोषणा की। ग्रामीणों का सकारात्मक सहयोग प्राप्त होने लगा है। छात्र उपस्थिति भी बढ़कर 80ः–90ः हो गयी है। पिछले वर्ष लगाये गए सभी पेड़–पौधे सुरक्षित है। अब मुख्य द्वार का ताला भी नहीं तोड़ा जाता है विद्यालय परिसर सुरक्षित है। ■

प्राथमिक विद्यालय मसुरन, अखण्डनगर, सुलतानपुर।

–रवि प्रकाश गुप्ता,

कार्य–विवरणः– जब मैंने प्रा.वि. मसुरन में प्र.अ. के पद पर कार्य भार ग्रहण किया। उस समय विद्यालय की सबसे बड़ी समस्या बच्चों की उपस्थिति थी। 186 में केवल 90 के आस पास बच्चे आ रहे थे पता किया तो आधे बच्चे फर्जी थे। सम्पर्क से पता चला कि अभिभावक बच्चों को प्राइवेट विद्यालय में पढ़ा रहे हैं। नये सत्र में प्रवेश के लिए माता पिता ने साफ इन्कार कर दिया। अपने शिक्षकों में जोश भरकर अपने मंजिल की ओर निकल पड़ा।

लगभग 1 साल 4 महीने में निम्नलिखित कदम उठाये गये–

सबसे पहले विद्यालय के भौतिक परिवेश को प्राइवेट विद्यालय से भी बेहतर और आकर्षक बनाया। प्रत्येक शिक्षण कक्ष की अंदर बाहर की दीवारों को आकर्षक TLM से सजाया। बच्चों के बैठने के लिए उत्कृष्ट फर्नीचर बनवाया। साफ पेय जल के लिए समरसेबल की व्यवस्था की गई। ठहराव हेतु बच्चों के लिए घर जैसा शौचालय बनवाया। पूरे विद्यालय ने विद्युतीकरण कराकर पंखे, बल्ब की व्यवस्था की। बच्चों के मनोरंजन के लिए झूला, स्लाइडर और सभी खेल सामानों की व्यवस्था की गई। बच्चों के लिए उत्कृष्ट पुस्तकालय की व्यवस्था की गई। सामाजिक प्रभाव के लिए भव्य प्रधानाध्यापक कक्ष की व्यवस्था की। परिसर को हरा भरा रखने के लिए क्यारी रेलिंग के साथ बनाकर पौधों से सजाया। अंग्रेजी माध्यम के बच्चो की तरह अपने बच्चों को टाई, बेल्ट, आईकार्ड दिया गया। पूरे परिसर का इन्टरलाकिंग कराया गया। बच्चों के नवीन प्रवेश के लिए पम्फलेट के माध्यम से प्रचार किया गया। ब्लॉक व जनपद स्तरीय प्रतियोगिताओं में बच्चों को प्रतिभाग कराया जाता है। बच्चों के साथ साथ अध्यापक भी अपना जन्मदिन विद्यालय में मनाते हैं। सभी त्यौहार उल्लास के साथ बच्चों के बीच मनाते हैं। सत्र 2016–17 में ही जिलाधिकारी द्वारा आदर्श अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विधान सभा चुनाव में विद्यालय को आदर्श बूथ चुना गया। ■

प्राथमिक विद्यालय बागरानप, लोनी, गाजियाबाद।

–नीरव शर्मा, सहायक अध्यापिका

कार्य–विवरणः– प्राथमिक विद्यालय बागरानप में मेरी नियुक्ति २०१२ में हुई। विद्यालय की भौतिक संरचना और नामांकन की स्थिति उत्तम थी, कमी थी तो बस छात्रों में अनुशासन और उपस्थिति की निरंतरता की, जिसके कारण छात्रों के शैक्षिक स्तर में कमी आ रही थी इसी क्रम में प्रयासरत रहने का संकल्प लेते हुए, विभिन्न गतिविधियों का समावेश करके प्रार्थना सभा में पी. टी., मुख्य समाचार, माह में सबसे ज्यादा उपस्थिति एवं स्वच्छ वेशभूषा में आने वाले छात्र का चयन करके पुरस्कृत किया। छात्रों के अभिभावकों से सम्पर्क किया तथा उनको विद्यालय में लगातार उपस्थिति के लाभ बताते हुए, बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। जब नए सत्र में नामांकन करते हुए प्रत्येक अभिभावक से विद्यालय और शिक्षकों से उनकी अपेक्षाओं की जानकारी लेने पर आभास हुआ कि बेसिक विद्यालयों में एडमिशन कराने का कारण केवल उनकी मजबूरी (गरीबी) है, परंतु आंखों में आकर्षक एवं लुभावने प्राइवेट विद्यालय में एडमिशन के सपने हैं। तभी आभास हुआ कि विद्यालय में कुछ ऐसा परिवर्तन किया जाए जिससे समाज मे बेसिक विद्यालयों के प्रति पुरानी सोच से कुछ अलग पहचान मिल सके। बच्चों के इष्टतम विकास को समाज के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है और इसलिए बच्चों के सामाजिक,संज्ञानात्मक, भावनात्मक और शैक्षिक विकास को समझना जरूरी है। इसी प्रकिया में बढ़ते शोध और रुचि के परिणामस्वरूप नए सिद्धान्तों और रणनीतियों का निर्माण हुआ है और हमारा विद्यालय आज अपनी अलग पहचान बना चुका है। ■

प्राथमिक विद्यालय चम्पतपुर, बिधनू, कानपुर नगर।

–अमरेश मिश्र, सहायक अध्यापक,

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक छोटा सा प्रयास हमारे द्वारा प्राथमिक विद्यालय बागरानप में 'गतिविधि–कक्ष' का निर्माण करके किया गया। एक ही कक्षा में विभिन्न मानसिक स्तर के बच्चों को उनके अनुरूप गतिविधियाँ कराने के लिए विद्यालय व कक्षा 1 के तीनों कक्षो को इस प्रकार सहायक सामग्री एवं विभिन्न संसाधनों से इस प्रकार सुसज्जित किया गया जिससे बच्चों को पढ़ाई कोई बोझ न लगे बल्कि पूरे उत्साह के साथ बच्चे विद्यालय आए और पूरे दिन पूरे मनोयोग से पढ़ाई करें। परिणामस्वरूप कक्षा एक के अतिरिक्त कक्षा पांच तक के बच्चों के लिए उपचारात्मक शिक्षण की कक्षाओं का भी प्रतिदिन आयोजन इस गतिविधि कक्ष में मेरे द्वारा किया जा रहा है। जिससे सभी छात्रों की विद्यालय में निरंतर उपस्थिति, अनुशासन एवं विद्यालय के प्रति प्रेम में वृद्धि हुई। आशा है हमारा ये प्रयास आपको अच्छा लगेगा क्योकि शिक्षको का बदलाव की क्षमता से युक्त होना अनिवार्य है। ■

गणितीय शिक्षण में विविधता एवं रोचकता

प्रत्येक मनुष्य के जीवन में गणित का अपना एक विशिष्ट स्थान है। गणित जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में रचा–बसा है। नाड़ी गति 72 होगी, तापमान 98.4 F होगा, हीमोग्लोबिन 9 से कम नहीं होना चाहिए। ये संख्याएँ ही तो हैं जो जीवन और मृत्यु तक का निर्धारण पल में कर देती हैं। इन सबके बावजूद गणित विषय की सबसे कठिन और नीरसतापूर्ण होने की छवि इस बात को इंगित करती है कि प्रारम्भिक कक्षाओं की हमारी शिक्षण विधियों में उस विविधता एवं प्रभावशाली शैली की कहीं न कहीं कोई कमी जरूर है। जो बच्चे के कोमल मन–मस्तिष्क में इसके क्लिष्ट होने की छवि जीवन भर के लिए छोड़ जाती है जिससे बच्चे इस विषय को बोझ के रूप में लेते हैं। बच्चा जब प्रथम बार विद्यालय में प्रवेश करता है तो वह संख्याओं से अवगत होकर आता है पर यहाँ आते ही कॉपी–पेंसिल के साथ उसका परिचय संख्याकों से करने की बाध्यता थोप दी जाती है। परम्परागत गणित शिक्षण गिनती बोलने और साथ–साथ लिखने से शुरू ही होता है। संख्याकों की निश्चित आकृतियों के निर्माण का प्रथम दबाव ही उसके मन मस्तिष्क में एक कठोर छाप छोड़ना शुरू कर देता है। निसंदेह यह प्रथम परिचय ही इस विषय के प्रति अरुचि के भाव मन में बोना तत्क्षण ही शुरू कर देता है। इसके बजाय यदि हम उसे दो हाथ, दो कान,एक मुंह,दस ऊँगलियाँ दिखाकर सस्वर हाव–भाव के साथ इस विषय से उसका प्रथम परिचय संख्याकों की जगह संख्याओं से कराएँ तो यह उसके लिए मन को लुभाने वाला सिद्ध न होगा क्या ? इस प्रकार के परिचय और संख्याओं से मेल–जोल के बाद भूमि या मिट्टी पर उँगलियों को नचाकर काल्पनिक रूप से उनकी आकृतियाँ बना–बना के मिटाने का खेल किसका मन नहीं जीत लेगा ? इसी प्रकार जोड़ और घटाने की संक्रियाओं का प्रथम परिचय एक अंक के सवालों से न शुरू होकर बाग में पेड़ों की गिनती, चिड़ियाओं के उड़ने और आकर बैठ जाने, रुपयों के मिलने और खर्च हो जाने की व्यवहारिक गणित के मौखिक अभ्यास से मस्तिष्क में पुष्ट हो जाने के उपरान्त पेन–कॉपी पर उतारना अत्यंत रुचिपूर्ण एवं विषय के प्रति लगाव को जन्म देने वाला सिद्ध हो सकता है। आईये हम सब मिलकर गणित के क्लिष्ट होने की छवि बनने के प्रथम पठार को ही सरल करने का प्रयास करें, जिससे प्रत्येक बच्चे के लिए गणित एक रुचिकर विषय बन सके। ■

प्राथमिक विद्यालय गढ़िया हैबतपुर, शमसाबाद, फर्रुखाबाद।

–अर्पण शाक्य, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– सुन्दर प्रार्थना सभा का आयोजन। सुन्दर, आकर्षक कक्षा–कक्षों में परिवर्तन (रंगीन पुताई व टी0एल0एम0 का निर्माण), निजी खर्च से फर्श का निर्माण, निजी खर्च से प्रतिदिन सफाई की व्यवस्था। प्रधानाध्यापक द्वारा विद्यालय में सुन्दर चित्रों का निर्माण। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन। नामांकन बढ़ाने व सुविधाओं की जानकारी देने के लिए पम्फलेट छपवाकर ग्रामवासियों में बाँटे गये। शिक्षण कार्य हेतु फ्लेक्सी का निर्माण। शिल्प कला के अन्तर्गत क्राफ्ट वर्क कराया गया। घर से अधिक विद्यालय को समय दिया जाता है। महीने के अन्त में सर्वाधिक उपस्थित वाले छात्र को पुरस्कृत किया जाता है। बच्चों द्वारा सुन्दर आलेखन का निर्माण। बच्चों में उत्तरदायित्व की भावना विकसित की गई। एन0पी0आर0सी0 व ब्लॉक स्तर की खेल–कूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करवाया। आज हमारे विद्यालय के शत–प्रतिशत बच्चों को सामान्य ज्ञान की जानकारी है। प्रत्येक शनिवार को विशेष चित्रकला का आयोजन किया जाता है। ■

उपलब्धियाँ – दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष कार्य किए जाने पर स्पेशल ओलम्पिक यंग एथलेटिक्स का सम्मान प्राप्त हुआ। शिक्षा में शून्य निवेश, नवाचार प्रदर्शनी में प्रतिभाग करने पर आगरा में प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। दिव्यांग बच्चों की खेल–कूद प्रतियोगिता में सराहनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। शिक्षाधिकारियों, विधायक व जिलाधिकारी द्वारा उत्साहवर्धन किया गया।■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय चित्रवार, मऊ, चित्रकूट।

–राजकुमार शर्मा, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– हमारा विद्यालय टीएलएम निर्माण के लिए जाना जाता है। हमनें अपने विद्यालय में साथी शिक्षकों श्री अशोक कुमार, सत्यभूषण सिंह के साथ मिलकर गाँव वालों को प्रेरित करके छात्र नामांकन बढ़ाया। मिशन शिक्षण संवाद जुड़ने के उपरान्त मुझे नई ऊर्जा का संचार हुआ। कक्षा–कक्षों की खिड़कियों की मरम्मत, फर्श की मरम्मत, मैदान की साफ–सफाई स्वयं की। विद्यालय समय से तीस मिनट पहले पहुँचकर विद्यालय को मन्दिर बनाने का कार्य प्रारंभ किया। 'आज का काम' में प्रतिदिन एक टी0एल0एम0 बनाकर बच्चों को समर्पित करना तथा उसे कक्षा–कक्ष में लगाना प्रारंभ हुआ। निजी व्यय से बच्चों को बर्तन, मेंज, कुर्सी, टाट–पट्टी की व्यवस्था की। जन सहयोग नहीं मिला तो बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, रंगोली जैसी प्रतियोगिताएँ कराकर बच्चों को पुरस्कृत करना प्रारंभ किया। इसके अतिरिक्त किचेन वाटिका निर्माण, बाल समितियों का गठन, संगीतमय प्रार्थना सभा, खेल संसाधनों की व्यवस्था, दायित्व पट्टिका निर्माण, रैलियों में बच्चों की प्रतिभागिता, स्टार ऑफ द मंथ चाइल्ड को पुरस्कृत करना, हर माह सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, टी0एल0एम0 निर्माण, पुरस्कार वितरण, कार्यशालाओं में प्रतिभाग, पेंटिंग, संगीत, योग की कक्षाएँ आदि कार्य भी किए गये।■

प्राथमिक विद्यालय बदनपुर, मैनपुरी, मैनपुरी।

–प्रज्ञा श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापिका,

कार्य–विवरणः– मेज, कुर्सी, अलमारियाँ, खाद्यान्न की टंकियाँ, पकाने व परोसने के बर्तन, शीशा इत्यादि खरीदे। चोरी न हो इसके लिये सभी दरवाजों में 10 चाल के ताले लगवाये। अभिलेखों को व्यवस्थित किया, सुखाया, उन पर कवर चढ़ाया एवं वर्षवार लगाया। विद्यालय में मिट्टी डलवायी। कमरों के फर्श, प्रार्थना स्थल, ब्लैक बोर्ड, हरी पट्टी रसोई व भण्डर गृह की फर्श एवं छत, बाउण्ड्री तथा खिड़की–दरवाजों की मरम्मत करायी। कक्षा–कक्षों को रंगीन पुताई कराकर पाठ्यक्रम सहयोगी शून्य निवेश टी0एल0एम0 (शादी के कार्ड, मिठाई के डिब्बे, पुराने कलेण्डर, बिन्दी के पत्तों के हैंगर, खराब ग्लोब, कोल्ड ड्रिंक की बोतल इत्यादि से बने हुए) व विभिन्न प्रकार के फलैक्स के द्वारा आकर्षक बनाया। प्रार्थना व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिये पोर्टेबल स्पीकर की व्यवस्था की। समय–समय पर कम्प्यूटराइज्ड प्रश्नपत्र द्वारा मासिक टेस्ट, सुलेख प्रतियोगिता तथा कला प्रतियोगिता प्रारम्भ करायीं। बच्चों के मध्य अध्ययन में रूचि जाग्रत करने व विद्यालय की सुव्यवस्था हेतु खोया–पाया समिति, भोजन समिति, पर्यावरण समिति, स्वच्छता समिति, अनुशासन समिति, खेल–व्यायाम समिति, प्रार्थना समिति बाल सभा समिति एवं जनसम्पर्क समिति का गठन किया जिससे छात्र–छात्राओं के अधिगम स्तर, अनुशासन एवं संस्कारों में सुधार आया। बच्चे कक्षा–कक्ष एवं विद्यालय परिसर की साफ–सफाई का ध्यान रखने लगे। शौचालय का प्रयोग उनकी आदत में आ गया है। आज बच्चे अपने माता–पिता के पैर छूकर घर से साफ–सफाई से विद्यालय आते हैं। ■

प्राथमिक विद्यालय सैदापुर प्रथम, चिनहट, लखनऊ।

–शबाना आजमी, सहायक अध्यापिका,

कार्य–विवरणः– हमने अपने विद्यालय में बाउन्ड्री वाल का निर्माण (सरकारी सहायता बिना), टॉयलेट में टाइल्स लगाकर, दरवाजों को ठीक कराकर जाने योग्य बनाया और छात्रों को शौच के लिए बाहर जाने से हमेशा के लिए मुक्ति दिलाई। फर्श व ब्लैक बोर्ड की मरम्मत करायी। पीने के पानी की व्यवस्था करायी। समस्त छात्रों के बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था करवायी। समस्त छात्रों का स्वेटर जूता मोजा व स्टेशनरी वितरण। छात्रों के खेल के लिए प्रचुर मात्रा में नवीन खेल सामाग्री की व्यवस्था। खेल के माध्यम से छात्रों को कहानी, कविता उत्तर प्रदेश के जिलों, समस्त राज्यो के नाम एंव अन्य पाठ्य याद करवायें। निर्धन छात्रों को गर्म कम्बल एवं कपड़ों का वितरण। छात्रों में विज्ञान के प्रति रूचि उत्पन्न करने के लिए छात्रों को साइंस सिटी लखनऊ पर्यटन के लिए ले गये। छात्रों में जीवों के प्रति दया उत्पन्न करने के उद्देश्य एंव संरक्षित पशुओं–पक्षियों को दिखाने के लिए चिड़ियाघर ले गये। गरीब निर्धन पूर्व छात्रा को साइकिल देकर आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया। हमारे कार्यों हेतु इस्टर्न भूमिका अवार्ड 2016, उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2016–17, डायट एल्यूमिनाई उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2017 फिक्की फ्लो सम्मान 2017 मिला। ■

उच्च प्राथमिक विद्यालय हारीपुर नवीन, झंझरी, गोण्डा।

–डॉ0 उमा सिंह, सहायक अध्यापिका,

कार्य–विवरणः– हमारे स्कूल में प्रतिदिन प्रार्थना अलग–अलग प्रार्थना के साथ योग एवं पी0टी0, शपथ ग्रहण, गुरूवाणी, का आयोजन किया जाता है। निबन्ध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता, अभिनयपूर्ण कहानी कथन, कविता में काव्य उत्सव का आयोजन होता है। इसके अलावा सहायक सामग्री द्वारा पठन–पाठन, खेल–कूद प्रतियोगिता, मीना मन्च का संचालन, पर्यावरण जागरूकता पर पौधरोपण, बेटी बचाओ, स्वच्छता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसका सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुआ। स्कूल की छात्रा कोमल जो इस समय 11 में है। वह पूर्व की छात्रा रही है। इस वर्ष 10 में वह 78 प्रतिशत पाकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इस बच्ची को आगे की शिक्षा देने को अभिभावक तैयार नहीं थे। हमने साहित्य क्षेत्र में कार्य किया है और हमारी गद्य, काव्य, कहानी, उपन्यास, बाल कहानी और नाटक। 17 किताब प्रकाशि हो चुकी है। हमें युवा उपन्यासकार सम्मान, कन्या शिक्षा सुरक्षा सम्मान, काव्य भारती इण्डोनेशिया बाली में, हिन्दी साहित्य गौरव हंगरी में मिला है। ■

पूर्व माध्यमिक विद्यालय हर्रायपुर, बिसौली, बदायूँ।

–कुंवरसेन, सहायक अध्यापक,

कार्य–विवरणः– हमने अपने पूर्व माध्यमिक विद्यालय हर्रायपुर के शिक्षकों व अभिभावकों के प्रयास से विद्यालय को कान्वेन्ट जैसा बनाने के लिए प्रयास किये। विद्यालय के भौतिक परिवेश को सुन्दर बनाने के लिए अभिभावकों के सहयोग से एक समरसेबिल लगवाया गया। जिससे वृहद स्तर पर पौधारोपण कर विद्यालय के परिवेश को सुन्दर और आकर्षक बनाया गया है। विद्यालय में बच्चों को गर्मी से राहत देने के लिए इन्वर्टर–बैटरा, पंखों और कूलर आदि की व्यवस्था विद्यालय प्रबन्ध समिति के सहयोग से की गयी। बच्चों को आधुनिक तकनीक से उत्तम शिक्षा देने के लिए विद्यालय स्टॉफ व समाज के सहयोग से कक्षा कक्षों को स्मार्ट क्लास के रूप में विकसित किया गया। प्रोजेक्टर और व्हाईट बोर्ड द्वारा शिक्षा देने से बच्चों में विद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ा जिससे आस–पास के गाँव से भी बच्चे उक्त विद्यालय में नामांकन कराने लगे। विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री महावीर सिंह यादव द्वारा समय–समय पर अंग्रेजी व गणित शिक्षण में विशेष सहयोग दिया जाता है। विद्यालय में दैनिक प्रार्थना व सांस्कृतिक कार्यक्रम कराने हेतु साउण्ड सिस्टम की व्यवस्था वर्तमान नगर बिसौली के चेयरमैन श्री अबरार अहमद द्वारा की गयी। क्षेत्रीय विधायक श्री आशुतोष मौर्या व भारतीय स्टेट बैंक कृषि विकास शाखा के

प्रबन्धक श्री विजय बहादुर सक्सेना द्वारा विद्यालय को कम्प्यूटर शिक्षा से जोड़ने के लिए एक–एक कम्प्यूटर व शीतल पेय जल हेतु फ्रीजर की व्यवस्था की गयी। बिसौली के व्यवसायी श्री विनय कुमार गर्ग द्वारा बच्चों को हैण्डवाश की व्यवस्था हेतु 1000 लीटर का वाटर टैंक व 8 टंकियों की व्यवस्था की गयी। सत्र 2016–17 में कम्प्यूटर कक्ष में फ्लोर टाइल्स लगवाने का कार्य सबरजिस्ट्रार बिसौली डा0 विवेक शर्मा द्वारा किया गया। सत्र 2016–17 में ही बरामदा व स्मार्ट क्लास रूम में टाइल्स लगवाने के कार्य श्री सूबेदार सिंह यादव द्वारा पूर्ण कराया गया। विद्यालय में अतिथियों के स्वागत हेतु बैण्ड की स्थापना स्थानीय पंजाब नैशनल बैंक बिसौली के वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक श्री हेतराम भारती द्वारा की गयी है। विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री वेदराम व हमारे प्रयास से सत्र 2016–17 के ग्रीष्मावकाश के माह मई–जून, 2016 में कमजोर व प्रतिभाशाली बच्चों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय की अनुमति से विशेष कक्षायें संचालित की गयीं थीं, जिसमें प्रतिभाशाली बच्चों को इंग्लिश स्पीकिंग का अभ्यास कराया गया था। सत्र 2017–18 में भी एस0एम0सी0 के अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र कुमार व शिक्षक कुंवरसेन के प्रयासों से पुनः विशेष ग्रीष्मकालीन कक्षायें संचालित की गयीं। इस विद्यालय के बच्चे आस–पास के कान्वेन्ट स्कूलों से अपने को किसी भी प्रकार से कम महसूस नहीं करते हैं, बल्कि कई बच्चों ने पास के स्थित कान्वेन्ट विद्यालयों से नाम पृथक कराकर उच्च प्राथमिक विद्यालय हर्रायपुर में प्रवेश लिया है। हमें बेसिक शिक्षा सचिव श्री आई0पी0 शर्मा, जिलाधिकारी श्री पन्धारी सिंह यादव, श्री शम्भू नाथ, श्री सी0पी0 त्रिपाठी से लेकर, मुख्य विकास अधिकारी श्री सूर्यपाल गंगवार, श्री प्रताप सिंह भदौरिया, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, श्री राजकुमार यादव, डा0 ओ0पी0 राय, श्री कृपाशंकर वर्मा, श्री आनन्द प्रकाश शर्मा तथा वर्तमान में श्री प्रेमचन्द यादव के साथ समय–समय पर जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया। सत्र 2016–17 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री मा0 अखिलेश यादव द्वारा व 05 सितम्बर, 2016 को भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। दिसम्बर, 2016 में उत्कृष्ट कार्यों हेतु पश्चिम बंगाल के राज्यपाल माननीय केशरीनाथ त्रिपाठी द्वारा लोकमणि लाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ■

प्राथमिक विद्यालय अम्बारी प्रथम, पवई, आजमगढ़।

– राजेश यादव, प्रधानाध्यापक,

कार्य–विवरणः– हमने 12 अक्टूबर 2014 को विद्यालय के पुराने छात्र महामहिम रामनरेश यादव जी से राजभवन, भोपाल में मिला और उन्ही के रूचि लेने से जिलाधिकारी आजमगढ़ श्रीमती नीला शर्मा नें ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा से 14 लाख रूपए की एक सुदृढ़ चार दिवारी बनी। बाउन्ड्री वाल बनने के बाद मैंने ये कार्य किए– सम्पूर्ण प्रांगण में शोभाकार्य एवं अन्य पेड़–पौधे लगवाए गए एवं तीन सुसज्जित घास के लॉन बनें। Low land की तरफ एक Shallow pond बनवाया जिसमें कमल एवं कुमुदिनी के पौधे डाले गए। फूल एवं सब्जियों के लिए लगभग 20 क्यारियाँ बनीं जिसमें गुलाब, गेंदा, मौसमी फूल, टमाटर, बैंगन, मटर, गोभी, मूली, गाजर, शल्जम, शिमलामिर्च एवं ब्रोकली की खेती होती है। विभाग की मदद से एक हजार स्क्वायर फुट का एक सुसज्जित हॉल बनवाया जिसमें ओवरहेड प्रोजेक्टर भी लगा है। इस हाल में छात्र–छात्राओं द्वारा अनेक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ की जाती हैं। प्रांगण में ही खेल गतिविधियों के लिए दो बैडमिंटन कोर्ट एक वालीवाल कोर्ट एवं 100 मीटर का रनिंग ट्रैक है। पूरे प्रांगण में अलग–अलग स्थानों पर बालक–बालिकाओं के लिए पृथक–पृथक पाँच शौचालय एवं मूत्रालय हैं। पेयजल एवं सिचाई कार्य के लिए चार हैंडपम्प एवं दो सबमर्सिबल वाटर पम्प हैं, एक सबमर्सिबल के माध्यम से दो शौचालयों के ऊपर Overhead Tank लगे हैं। भारत सरकार द्वारा विद्यालय को विद्यांजलि योजना के लिए चयन किया गया। वर्ष 2015 में तत्कालीन बेसिक शिक्षा सचिव श्री नीतीश्वर कुमार द्वारा दो बार आजमगढ़ प्रवास के दौरान विद्यालय का दौरा किया गया। श्री कुमार ने आगन्तुक रजिस्टर में लिखा कि यदि इस विद्यालय की तरह सभी विद्यालय हो जाएँ तो निरीक्षण की आवश्यकता न पड़े। विद्यालय के पुराने छात्र पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल द्वारा विद्यालय में दो बार पदार्पण एवं यथा सम्भव मदद। पूर्व सांसद रामकृष्ण यादव, रमाकांत यादव, बलिहारी बाबू एवं विधायक श्यामबहादुर सिंह यादव जो कि विद्यालय के पुराने छात्र भी रह चुके हैं समय–समय पर विद्यालय में पदार्पण एवं प्रोत्साहन। बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री राकेश कुमार श्री प्रमोद कुमार यादव एवं श्री जे०पी० सिंह द्वारा विद्यालय में आकर मुझे व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया। ■

Primary School, Dabrai, Firozabad

- Afzal Ahmad, Assistant Teacher

Introduction

P.S. Civil Lines (Dabrai) is situated at Village Dabrai, Niyay Panchayat Daunkeli, Block & Distt. Firozabad. This school was running as a normal Hindi medium school on the guidelines of Basic Shiksha Parishad under administration of BSA Firozabad upto session 2014-15. After that UP Govt. launched a pilot project of English medium Schools and issued guidelines to convert two schools of every district into English Medium. Here in Firozabad our BSA mark down two schools to be convert in English medium. P.S. Civil Lines (Dabrai) is one of them. Previously our school was running as a Hindi Medium. So the students cannot be converted on English medium immediately. Lower classes were gaining because they were fresh raw material, but 4th and 5th were not responding. So we have started our basic language teaching in assembly. To get required results, we have prepared a lot of TLM like BAT, CAT …. etc. (Photograph Attached). This has given a prompt result. Whole school has been started gaining very quickly. We were facing a major problem, which was lack of reading skill in our students. So our whole staff started writing lessons of books on black boards. Now our students are not reading in their books. Their whole concentration is now diverted from books to black boards. This makes students active and results came beyond our expectations. To bring our students in main stream, we bring newspapers of Hindi and English language daily in our school and ask our students to read main headlines loudly. Our students read newspapers daily in assembly turn wise. This innovative activity not only increase the reading skill of our students, but also make them aware with activities going in our city, nation and in the whole world. During last session we have organized a lot of competitions like writing competition, Drawing Competition, Mathematics competition etc. This creates competitive skill in our students. To have a keen eye on the progress of our students, we have prepared an evaluation sheet, which is also attached with this article. You can find out the progress of a particular student at a glance very easily. This evaluation sheet has makes our work very easy. With the help of this sheet, we pay attention on the less gaining students and bring them as per level of the class standard. This Evaluation sheet has given us a remarkable result and makes our work very easy also. We have adopted a lot of micro innovations during last session which cannot be described in this small article. But the above remarkable innovations really improved our quality and put our school in the category of ideal schools. We are satisfied with the progress of our students. At present, we can say that our students are able to compete with missionary schools. I personally think that Evaluation Sheet is Really an innovation. ■

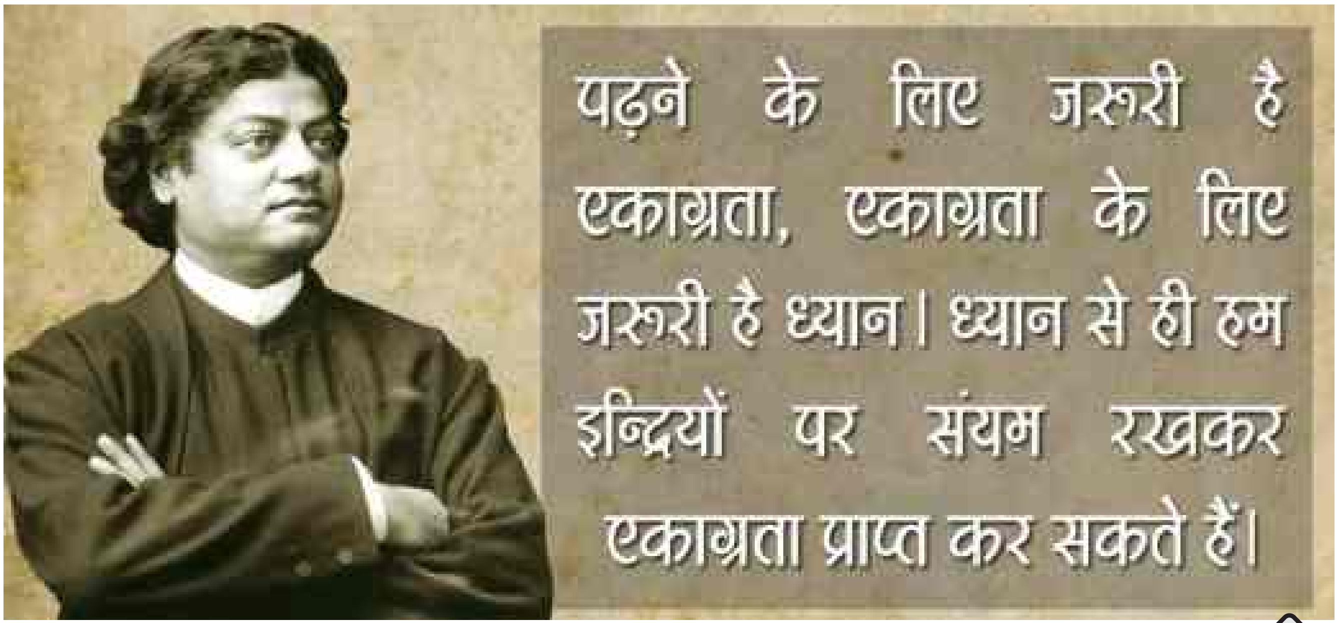

कपिलवस्तु महोत्सव ...एक सुखद अनुभूति

– विनोद कुमार, स.अ. (यूपीएस अमवामाफी, भदोही)

मिशन शिक्षण संवाद की पहली आधिकारिक कार्यशाला के आयोजन पर हफ्तों चले विचार विमर्श के बाद बस्ती के सर्वेष्ट मिश्र जी ने BSA सिद्धार्थनगर द्वारा कपिलवस्तु महोत्सव में इसे शामिल कर कराए जाने की जानकारी दी। मिशन द्वारा इस पर सहमति दी गयी लेकिन सरकारी व्यवस्था की स्थिति पर संदेह के दृष्टिगत मिशन के सिपाहियों द्वारा बैकअप प्लान साथ लेकर चलने की बात तय की गई। कार्यक्रम हेतु निर्धारित तिथि 29 व 30 दिसम्बर 2017 में शामिल होने के लिए हम 28 की दोपहर ही अपनी टीम के साथ पूरब दर्शन व बेसिक शिक्षा के उत्थान हेतु जलाई गई मिशन की लौ को मशाल बनाने की तमन्ना लिए मिशन के सिपाहियों से मिलने का उल्लास मन मे संजोए निकल पड़े। रास्ते की दुश्वारियों व घने कोहरे को चीरते हुए गूगल बाबा की मदद से हम जब सिद्धार्थनगर के नौगढ़ में प्रवेश किये तो सर्वेष्ट भाई को फोन कर विश्राम स्थल सिद्धार्थनगर पब्लिक स्कूल की लोकेशन जाननी चाही, इस पर सर्वेष्ट भाई ने कहा आप जिस रास्ते से आ रहे हैं आते रहिये आगे तिराहे पर हमारे अध्यापक आपके मार्गदर्शन के लिए खड़े रहेंगे। रात 12 बजे की कड़कड़ाती ठंड व घने कुहरे में बाइक पर खड़े अध्यापक मित्र को देखा तो उनके चेहरे पर ठंड की जगह खुशी का भाव देखकर सिद्धार्थनगर की मेहमाननवाजी के भी दर्शन हो गए और हमारा बैकअप प्लान वही धरा रह गया। विश्राम स्थल पर पहुँचे तो पाया कि कई साथी हमसे पहले वहाँ पहुँच गए थे। पहुँचते ही टीम सिद्धार्थनगर ने हमसे भोजन कर विश्राम करने का आग्रह किया। भोजन के बाद हम आराम करने निर्धारित कमरे में पहुँचे जहां गद्दे व रजाई की पर्याप्त व्यवस्था देखकर मन मे रहा सहा जाड़ा भी जाता रहा।

रात्रि विश्राम के पश्चात सुबह बेहतर व्यवस्था में स्नान आदि से निवृत्त हुए ही थे कि व्यवस्थापकों द्वारा नाश्ता तैयार होने की बात कही गयी। नाश्ते के बाद हम सेमिनार स्थल लोहिया कला भवन की ओर पहले से सुसज्जित बस द्वारा निकल गए। लोहिया कला भवन जो 1000 व्यक्तियों के बैठने के लिए तैयार किया गया थियेटरनुमा भवन था। जहाँ सुंदर तरीके से सजाया गया स्टेज व बैठने हेतु बेहतरीन व्यवस्था थी। कार्यक्रम की शुरुआत आदरणीय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व डायट प्राचार्य के साथ उपस्थित अतिथियों विधायक शोहरतगढ़ श्री अमर सिंह चौधरी व विधायक इटावा श्री सतीश द्विवेदी जी द्वारा सरस्वती पूजन से हुई। जो स्वयं एक शिक्षक रहे हैं और विधायक बनने के बाद भी आज अपना वेतन शिक्षक के रूप में लेते हैं न कि विधायक के रूप में।

विधायक इटावा श्री सतीश चंद्र द्विवेदी द्वारा प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि प्राथमिक शिक्षा किसी देश की रीढ़ होती है पर बेसिक शिक्षा को अपने यहां रीढ़ नही समझा गया। उन्होंने कहा कि कच्ची मिट्टी का घड़ा बनाना बेहद कठिन कार्य है जबकि उसमें 4 फूल सजा देना बेहद आसान और आप कच्ची मिट्टी का घड़ा बनाते हैं जबकि उच्च कक्षाओं के शिक्षक उस घड़े में फूल सजाते है । इसके साथ ही आप द्वारा इन्नोवेशन की विस्तृत व्याख्या कर अध्यापक के कर्तव्यों पर प्रकाश डाला गया। प्रदेश के 75 जनपदों से आये 162 प्रतिभागियों द्वारा अपने स्कूल में किये गए अभिनव प्रयासों व उस प्रयास के फलस्वरूप विद्यालय व बच्चों में विकसित हुई उपलब्धियों का पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतिकरण प्रारम्भ हुआ । विलम्ब होने की दशा में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री श्री राजकुमार जयप्रताप जी द्वारा ठै। सर से कहकर कार्यक्रम शुरू करा दिया गया था का आगमन हुआ। मुख्य अतिथि के सम्मान के बाद कार्यक्रम आगे बढ़ा व कई अन्य अध्यापकों द्वारा अपने विशेष प्रयास व उसके परिणामों को वहाँ उपस्थित 162 अन्य जनपदों से आये अध्यापकों के अलावा मौजूद लगभग 1000 अध्यापकों के बीच साझा किया गया। चित्रकूट के TLM सम्राट राजकुमार जी के TLM देखकर मंत्री महोदय ने प्रसंसा करते हुए कहा कि ऐसा आयोजन राजधानी में भी होना चाहिए। शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाये जाने हेतु मिशन शिक्षण संवाद का यह प्रयास सराहनीय है साथ ही इसे और भी प्रचारित व प्रसारित करने की आवश्यकता है जिसके लिए उन्होंने पोर्टल बनाये जाने का प्रस्ताव रखा। जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू द्वारा कहा गया कि यदि आप सबकी सहमति होगी तो NIC से पोर्टल बनवा दिया जाएगा।

सत्र के तृतीय चरण में चूँकि 162 में से अधिकांश अध्यापकों का प्रस्तुतीकरण बाकी था। संयोजक सर्वेष्ट भाई द्वारा पुनः घोषणा की गई कि कार्यशाला जारी रहेगी। BSA सर की उपस्थिति में कार्यशाला पुनः शुरू हुई। मेरे और संतोष भाई द्वारा ओजस्वीपूर्ण वक्तव्य के माध्यम से जनपद में मिशन द्वारा किये गए प्रयासों आयोजित कार्यशालाओं व उनके परिणाम पर प्रकाश डाला गया जिससे एक बार पुनः नवीन ऊर्जा का संचार हुआ व कार्यशाला एक बार फिर अपनी रवानगी पर चल पड़ी। लोगों द्वारा अपने प्रयासों व उपलब्धियों की चर्चा के बीच कब 7 बजे की समय सीमा पार हो गयी पता ही नही चला। प्रेरणास्रोत विमल भाई के निर्देश पर दिन भर के कार्यक्रम की समरी प्रस्तुत करने का मौका मुझे मिला जिसे समयाभाव के चलते जितना संक्षिप्त में हो सका किया गया। तब तक मौजूद परिवर्तन के अग्रदूत जोश व उत्साह से लबालब भर चुके थे। पहली बार ऐसा आयोजन देखा जहाँ स्थगन के बाद भी लोग न जाने की जिद पर अड़े थे। यह मिशन के प्रति समर्पण व बेसिक की दशा व दिशा बदलने की जद्दोजहद ही थी जो उन्हें रोके रखी। इसी के साथ अगले दिवस की सुबह के 9 बजे शीघ्र आने की कामना के साथ कार्यक्रम स्थागित हुआ। हम पुनः बस से विश्रामस्थल की ओर रवाना हुए पर सभी के चेहरे पर दिन भर की थकावट नही बल्कि अगली सुबह के इंतजार की बेसब्री दिख रही थी। शाम को हम वापस विश्राम स्थल पहुँचे। जहाँ एक वर्ष से मिशन में साथ चल रहे मित्रों से मुलाकात का सिलसिला चला जो सेल्फी से लेकर ग्रुप फोटो के रूप में तब्दील होता रहा। इसके बाद भोजन लेकर हम अपने विश्राम कक्ष में पहुँचे जहाँ कुछ मित्रों द्वारा कुछ प्रेरक व मनोरंजक गीत प्रस्तुत किये जा रहे थे। जिसमें चित्रकूट से राजकुमार जी, जौनपुर से शिवम जी, भदोही से संतोष जी, आशीष जी आदि प्रतिभाग कर रहे थे।

दूसरे दिवस में हम सब एक बार पुनः स्नान आदि करके तैयार हो गए भदोही के शिक्षक 8 बजे ही कला भवन TLM लेकर पहुंच गए और अपने TLM स्टॉल लगाये। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में निर्धारित समय पर अवशेष प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण प्रारम्भ हुआ और तय अवधि में सबका प्रस्तुतीकरण पूर्ण हुआ सबसे कम समय टेक्निकल टीम को ही मिला पर सब बहुत खुश थे कि इतनी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के होते हुए भी सबको मौका मिल सका। अंत में मिशन के प्रेरणास्रोत विमल भाई का उदबोधन हुआ। इसी बीच विधायक श्री राघवेंद्र सिंह व श्री श्यामधनी राही जी के साथ सांसद श्री जगदम्बिका पाल जी भी आ चुके थे। सभी ने सेमिनार की उपयोगिता के बारे में बताते हुए कहा कि कपिलवस्तु महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में यह सर्वोत्कृष्ट कार्यक्रम है और राज्य व केंद्र सरकार से ऐसे कार्यक्रम कराए जाते रहने का प्रस्ताव किया जाएगा। आभार ज्ञापन में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी आदरणीय श्री मनीराम सिंह जी ने कहा कि सभी नवाचारी शिक्षकों को देखा व सुना। आप सभी का नवाचार जनपद के शिक्षकों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। आपसे प्रेरणा लेकर यहाँ के शिक्षक नवाचारियो का अनुसरण करते हुए अपनी शैक्षिक गुणवत्ता व भौतिक परिवेश सुधारते हुए प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को सांसद जी के हाथों मंच पर प्रमाणपत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करने का सिलसिला शुरु हुआ। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री एसपी त्रिपाठी जी भी मौजूद रहे। जिसका समापन बहुत ही शानदार अंदाज में हुआ। इसके बाद 162 में से 17 नवाचारियों को कपिलवस्तु महोत्सव के मुख्य मंच पर अपना पीपीटी पुनः प्रस्तुत करने हेतु ले जाया गया। सभी 17 की ग्रुप फोटो हमारे प्रेरणास्रोत विमल भाई व अधिकारियों के साथ मुख्य मंच पर हुई। सभी साथी विश्राम स्थल की ओर वापस लौटे जहाँ कुछ को रुककर सुबह जाना था कुछ को रात में ही, तभी सर्वेष्ट भाई ने बताया कि ठे। सर आप सबसे मिलने वापस आ रहे हैं, अतः आप सभी कुछ देर रुकें।उपस्थित सभी साथी खुशी–खुशी सहमत हुए। आदरणीय सर के आने पर कार्यक्रम आयोजन से लेकर परिणाम तक पर लंबी चर्चा हुई। आप द्वारा पर्दे के पीछे से मेहनत कर रहे स्टाफ कब व इंटीरेन्ट टीचर्स से परिचय करवाया गया। साथ ही जिन्हें रात 11 बजे व 5 बजे की ट्रेन थी, को स्टेशन छोड़ने की हिदायत देकर हम सबसे विदा ली। तब तक खाना तैयार होकर ठंडा होने से बचाने के लिए अविलम्ब भोजन करने हेतु आमंत्रित किया गया। अंत में हम सभी सुबह एक अत्यंत सफल व बेसिक शिक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होने वाले आयोजन की याद व अपने जनपदों में इसके विस्तार की दृढ़ इच्छाशक्ति मन मे लिए व भगवान बुद्ध को नमन करते हुए अपने गन्तव्य को रवाना हुए।

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद।

जिले का नाम रोशन कर लौटे शिक्षकों का सम्मान

कपिलवस्तु महोत्सव के लिए दो शिक्षकों का चयन

प्राथमिक शिक्षा में सुधार के संकल्प संग विदा हुए शिक्षक

बदलेगी परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर

सिद्धार्थनगर को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाएंगे : मुख्यमंत्री

नवाचारी शिक्षक कपिलवस्तु महोत्सव में लेंगे भाग

कपिलवस्तु में सम्मानित हुए तीन शिक्षक

दीनबन्धु को बीएसए समेत शिक्षकों ने दी बधाई

दीनबन्धु ने बढ़ाया जनपद

अध्यापकों को मन वचन कर्म से होना चाहिए शुद्ध

दो शिक्षक सेमीनार में लेंगे हिस्सा

हेमरतन दक्ष को मिला नवाचारी सम्मान

नवाचारी शिक्षकों का सेमिनार आज से

सम्मान पाकर लौटे नवाचारी शिक्षक

नवाचारी शिक्षकों ने बढ़ाया मान

कपिलवस्तु महोत्सव में पुरस्कृत किए गए विजेता

अलग छाप छोड़ेंगे आठ हजार बच्चे, कवायद तेज

नवाचारी शिक्षकों ने बताए अपने प्रयोग

इटावा | हिन्दुस्तान संवाद

पीलीभीत के शिक्षक सम्मानित

नवाचारी शिक्षकों ने प्रयोगों और विचारों को किया साझा

में सम्मानित हुए तीन शिक्षक

डॉ. सर्वेष्ट मिश्र लोकमणि लाल अवार्ड से सम्मानित

..., सीडीओ अनिल कुमार मिश्र, ... बेसिक सत्य प्रकाश त्रिपाठी, ... प्राचार्य केसी भारती ... बीएसए मनिराम सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम में इटावा की तरफ से प्रतिभाग

कपिलवस्तु में सम्मानित हुए जिले के नवाचारी शिक्षक

काशी के शिक्षकों का हुआ सम्मान

बदलेगी परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर: सांसद पाल

बदलेगी परिषदीय विद्यालयों की तस्वीर: सांसद पाल

मिशन शिक्षण संवाद

आओ स्वयं सहयोगी बनें

– विमल कुमार

मित्रों मिशन शिक्षण संवाद में बेसिक शिक्षा के उत्थान और शिक्षक के सम्मान के लिए आप सब की लगातार सहभागिता के लिए आप सबका बहुत–बहुत आभार

आशा करते हैं कि आने वाले समय में आप सब सहयोगी इसमें स्वयंसेवी के रूप में अतिवाद के आरोपों के बीच से सकारात्मक सोच और सहयोगात्मक व्यवहार के साथ आपसी सहयोग बनाये रखेंगे। मिशन शिक्षण संवाद केवल विद्यालय की गतिविधियों की फोटो शेयर करने तक सीमित न रहे। यह सदैव मूल उद्देश्य के साथ सतत आगे बढ़े, इसके लिए आप सबका निम्नवत सहयोग चाहिए। आप सबके लगातार विचार जानने के बाद मिशन शिक्षण संवाद के समूहों को कुछ नयी और कुछ पुरानी दिशा देने आवश्यकता महसूस हो रही है।

जिसमें अपने nks WhatsApp समूहों मिशन शिक्षण संवाद उ० प्र० और नवाचार एक पहल को पुराना स्वरूप देने की आवश्यकता है जिससे हम सबको नयी दिशा और विचारों का मिलना जरूरी है, जो मिशन शिक्षण संवाद की गतिशीलता के आगे एक पक्षीय स्थिति महसूस होने लगी है जिससे गुणवत्ता शब्द कुछ असहज और अपने को कमजोर महसूस कर रहा है।

अब आप सबसे आशा है कि निम्न व्यवस्था में स्वअनुशासन के साथ अवश्य सहयोग करेंगे।

1. मिशन शिक्षण संवाद उ.प्र.–

इस समूह में पहले की तरह विषयगत शिक्षण विधियों पर चर्चा और नयी विधियों पर नये विचारों का आदान– प्रदान के साथ अब आप अपने विद्यालय की किसी भी गतिविधि की अधिक से अधिक एक से दो ही फोटो विवरण के साथ भेज सकते। जिससे आप क्या कहना या दिखाना चाहते हैं वह उद्देश्य पूरा हो सके। इससे हम सबको शिक्षण की गुणवत्ता को मजबूत करने की नयी विचारधारा प्राप्त होगी।

2– नवाचार एक पहल–

यह समूह भी नवाचार पर चर्चा और शोध के लिए अब काम करेगा। जिन साथियों को इसमें रुचि हो वह हम या प्रवीण जी को बता दें इसमें एड कर देंगें। इसमें अब दैनिक गतिविधियों की फोटो न भेज कर केवल नया क्या किया उसे ही अधिकतम पाँच फोटो तक स्टेप के अनुसार विवरण के साथ भेजेंगे। शेष समय आप सबसे नवाचार शब्द की अवधारणाओं को मजबूती देने के लिए चर्चा की उम्मीद की जाती है।

3 – मिशन शिक्षण संवाद (freedom)–

यह समूह आपको अपने विद्यालय की दैनिक से लेकर विशिष्ट गतिविधियों की असीमित फोटो, ऑडियो, वीडियो और विवरण भेजने की खुली छूट के साथ स्वागत करता है। इसमें आप स्वयं नीचे लिंक के माध्यम से जुड़ सकते हैं–.

4– मिशन शिक्षण संवाद(T-L-M) :–

यदि आप टी०एल०एम० की विशेषता रखते हैं तो आप इस समूह में जुड़ सकते हैं, यहाँ प्रदेश के विभिन्न जनपदों के टी० एल० एम० विशेषज्ञ शिक्षक सहयोगी हैं। जो आपसी सहयोग से ज्स्ड गतिविधियों को नयी दिशा देने के प्रयास कर रहे हैं।

5– मिशन शिक्षण संवाद(मासिक परीक्षा) –

इस समूह में यदि आप पेपर बनाना, कम्प्यूटर पर टाइप करना, पीडीएफ तैयार करना आदि सहयोग के लिए तैयार है तो इसमें जुड़ कर सहयोग करें।

6– मिशन शिक्षण संवाद (पाठयोजना)–

यदि आदर्श पाठयोजना बनाने की विशेषता रखते हैं तो आप यहाँ आपसी चर्चा के माध्यम से अपने विषयों के सभी पाठों की पाठयोजना तैयार करके भेज सकते हैं जिसमें श्रेष्ठ पाठयोजना का एक संग्रह के रूप में आपके नाम पता के साथ सेव किया जायेगा। जो आने वाले भविष्य में बेसिक शिक्षा को बहुत ही मजबूत आधार प्रदान करेगा। जिसमें एक आप भी सहयोगी बन सकते हैं।

7– मिशन शिक्षण संवाद उ० प्र०(फेसबुक समूह) –

इस पर आप स्वयं स्वतंत्र रूप से अपने विद्यालय की गतिविधियों को अपने अनुसार अपने नाम से भेज सकते हैं। यह समूह आपको अपने काम को स्वयं अपने अनुसार प्रचार– प्रसार की स्वतंत्रता प्रदान करता है। जहाँ निम्न लिंक के अनुसार आप स्वयं पहुँच सकते हैं।

8– मिशन शिक्षण संवाद(जनपदीय समूह)–

यदि आप स्व की परिधि से बाहर निकल कर बेसिक शिक्षा के उत्थान और शिक्षक के सम्मान के स्वयं सहयोगी और सहभागी बनना चाहते हैं तो आप अपने जनपद के मिशन शिक्षण संवाद के माध्यम से बेसिक शिक्षा के प्रत्येक शिक्षक को जागरूक बनाने के लिए जो आप अपने अनुसार समय की सेवा दे सकें। वह आप सहयोग कर सकते हैं।

9– मिशन शिक्षण संवाद(टेक्नीकल)–

यह समूह आपको पूरे प्रदेश में सहयोगी के रूप में सेवा करने का कुछ शर्तों के साथ अवसर प्रदान करता है। यहाँ आपके धैर्य और लगन के साथ टेक्नीकल गतिविधियों की परीक्षा होती है। क्योंकि यह समूह विद्यालय समय के अतिरिक्त हमेशा सक्रिय रहता है। यहाँ आपके लिए अवकाश की कोई गुंजाइस नहीं होती है। यह पूर्ण समर्पित स्वयंसेवी सहयोगियों का समूह है। यदि आप भी इसके सहयोगी बनना चाहते है तो आपका स्वागत है।

टीम का संचालन क्षेत्र– वेबसाइट, फेसबुक पेज, ब्लॉग, ट्यूटर, यू–ट्यूब चौनल आदि के लिए पोस्ट कलेक्शन, तैयार करना, सेव और शेयर करना है।

नोट – आप सबसे निवेदन है कि आप अपनी रुचियों, आवश्यकताओं और समय के अनुसार मिशन शिक्षण संवाद की स्वतंत्र गतिविधियों में स्वतंत्र रूप से सहयोगी बन सकते हैं। आपस में खूब सीखें और सिखाएं, लेकिन किसी भी मुख्य समूह में मूकदर्शक की भूमिका न निभाएं। क्योंकि मिशन शिक्षण संवाद में प्रत्येक शिक्षक की रुचियों के अनुसार सहयोग की व्यवस्था है। इसलिए केवल समूहों में जुड़ने का अनावश्यक रिकार्ड न बनायें, अपनी रुचियों के अनुसार सहयोग और सहभागिता अवश्य निभायें।

आओ हम सब हाथ मिलाएं।
बेसिक शिक्षा की पहचान बनाएं।।

निवेदक : विमल कुमार

टीम मिशन शिक्षण संवाद, सम्पर्क : 9458278429

कपिलवस्तु सेमिनार प्रतिभाग करने हेतु शिक्षा अधिकारियों द्वारा जारी पत्र

अविहित पत्रांक–डी0ई0(बी0)/ 1789–1864 /2017–18 दिनांक 22 दिसम्बर, 2017

प्राइमरी का मास्टर.कॉम www.primarykamaster.com

समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्रांक बेसिक/कपि0म0हो0/10078–83/2017–18, दिनांक 19–12–2017, जो आपको सम्बोधित तथा अन्य को पृष्ठांकित है, का सन्दर्भ ग्रहण करें। उक्त पत्र द्वारा जनपदों के शिक्षकों का दो दिवसीय मिशन शिक्षण संवाद शिक्षा गुणवत्ता सेमिनार दिनांक 29–12–2017 एवं 30–12–2017 को लोहिया कला भवन, सिद्धार्थनगर में आयोजित किया जा रहा है। उक्त सेमिनार में जनपद के शिक्षकों को सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु दिनांक 28–12–2017 से कार्यमुक्त करने हेतु अनुरोध किया गया है।

शिक्षा निदेशक (बेसिक), शिक्षा निदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ को सम्बोधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के पत्रांक–बेसिक/कपि0म0हो0/10033–36/2017–18, दिनांक 19–12–2017 द्वारा कपिल वस्तु महोत्सव, 2017 में प्रस्तावित प्रदेश स्तरीय शिक्षा गुणवत्ता सेमिनार के सम्बन्ध में मुझे आपसे यह अनुरोध करने का निदेश हुआ है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर के उक्त पत्र दिनांक 19–12–2017 के साथ संलग्न विशिष्ट शिक्षकों की सूची में सम्मिलित आपके जनपद से संबंधित शिक्षकों को कपिलवस्तु महोत्सव में दिनांक 29–12–2017 एवं 30–12–2017 को आयोजित दो द्विवसीय सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु उनके अनुरोध एवं निजी व्यय पर अनुमति प्रदान की जा रही है।

(प्रणव सिंह),
वैयक्तिक सहायक
शिक्षा निदेशक(बे0),उ0प्र0
निशातगंज, लखनऊ।

पृ0सं0–डी0ई0(बी0)/ 1789–1864 /2017–18तद्दिनांक

प्रतिलिपि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सिद्धार्थनगर को उनके पत्रांक–बेसिक/कपि0म0हो0/10033–36/2017–18, दिनांक 19–12–2017 के सन्दर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।

(प्रणव सिंह),
वैयक्तिक सहायक
शिक्षा निदेशक(बे0),उ0प्र0
निशातगंज, लखनऊ।

[illegible]
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक: बेसिक/कपि0म0हो0/ 10078–83 /2017-18 दिनांक 19-12-2017

विषय: कपिलवस्तु महोत्सव में आयोजित प्रदेश स्तरीय शिक्षा गुणवत्ता सेमिनार के सम्बन्धित [illegible]।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि जनपद सिद्धार्थनगर की स्थापना दिवस पर [illegible] सिद्धार्थनगर में दिनांक 25-12-2017 से 31-12-2017 तक कपिलवस्तु महोत्सव का आयोजन किया गया है, महोत्सव का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी, द्वारा किया जाना है। महोत्सव में बेसिक शिक्षा विभाग सिद्धार्थनगर द्वारा दो दिवसीय मिशन शिक्षण संवाद शिक्षा गुणवत्ता सेमिनार का आयोजन दिनांक 29-12-2017 एवं 30-12-2017 को लोहिया कला भवन, सिद्धार्थनगर में किया गया है। जिसमें प्रदेश के सभी जनपदों से बेहतर कार्य कर रहे चयनित शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। सेमिनार में प्रतिभाग करने वाले शिक्षक अपने विद्यालय को बेहतर बनाने में किये जा रहे प्रयासों, नवाचारों, [illegible] का पावर प्वाइण्ट प्रेजेन्टेशन करेंगे। सेमिनार से प्राप्त निष्कर्षों से बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों को और बेहतर बनाया जा सकेगा।

कृपया संलग्न सूची में अंकित आपके जनपद के शिक्षकों को उक्त सेमिनार में प्रतिभाग करने हेतु दिनांक 28-12-2017 से कार्यमुक्त करने के साथ शिक्षकों को महोत्सव में प्रतिभाग करने के लिये अपने स्तर से [illegible] करने की कृपा करें।

संलग्नक: प्रतिभागी शिक्षकों की सूची।

19.12.17
(मनिराम सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर।

पृ0सं0: बेसिक/कपि0म0हो0/ /2017-18 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित।

01- शिक्षा निदेशक (बेसिक) [illegible]।
02- निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उ0प्र0, निशातगंज लखनऊ।
03- जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर।
04- मुख्य विकास अधिकारी सिद्धार्थनगर।
05- मण्डलीय शिक्षा निदेशक (बेसिक), मण्डल गोरखपुर/बस्ती।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर।

कपिलवस्तु महोत्सव 2017 में आयोजित शिक्षा गुणवत्ता सेमिनार में आमंत्रित [illegible] प्रदेश के विशिष्ट शिक्षकों की सूची

क्रम	अध्यापक का नाम	विद्यालय का नाम	पद	ब्लॉक	जनपद
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	पू मा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	पू मा वि [illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]		[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	स अ	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	प्रा वि [illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

(अमित सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
सिद्धार्थनगर

सहयोग राशि प्रदान करने वाले मिशन के साथियों की सूची

क्रम सं.	अध्यापक का नाम	जनपद	सहयोग राशि
1-	प्रियंका यादव	गाजीपुर	8000/-
2-	नीरव शर्मा	गाज़ियाबाद	5100/-
3-	शिवेंद्र धाकरे	कासगंज	5100/-
4-	डॉ.ख़ुर्शीद हसन	झाँसी	2100/-
5-	अजित कुमार सिंह	बलिया	2100/-
6-	बाबूराम चक्रवर्ती	हमीरपुर	2001/-
7-	विजया अवस्थी	हरदोई	1200/-
8-	प्रांजल सक्सेना	बरेली	1000/-
9-	रविन्द्र कुमार सिंह	वाराणसी	1001/-
10-	सरिता राय	वाराणसी	1001/-
11-	बबिता कटियार	कानपूर नगर	1000/-
12-	रुबीना वाइज़	सीतापुर	1000/-
13-	अखलाक़ अहमद	मुजफ्फरनगर	1000/-
14-	आफाक़ अहमद	देवरिया	1000/-
15-	दीप नारायन मिश्रा	कौशाम्बी	1000/-
16-	स्वतंत्र कुमार	मऊ	1000/-
17-	श्रीराम	देवरिया	1000/-
18-	रीना सैनी	महाराजगंज	1000/-
19-	उदय करन राजपूत	जालौन	1000/-
20-	वैभव सिंह राजपूत	सुल्तानपुर	1000/-
21-	संयोगिता	मुरादाबाद	1000/-
22-	ऋचा मौर्या	हरदोई	1000/-
23-	राजकुमार शर्मा	चित्रकूट	1000/-
24-	साकेत बिहारी शुक्ल	चित्रकूट	1000/-
25-	आशीष कुमार सिंह	भदोही	1000/-
26-	अरविन्द पाल	भदोही	1000/-
27-	अफजाल अहमद	फिरोजाबाद	1000/-
28-	अभिषेक सिंह	चंदौली	500/-
29-	विनोद कुमार मिश्र	मिर्ज़ापुर	500/-
30.	डा. अनीता मुधगल	मथुरा	2100

कपिलवस्तु

कैमरे की नजर में समापन एवं सम्मान समारोह

जिलाधिकारी श्री कुणाल सिल्कू

मुख्य विकास अधिकारी श्री अनिल मिश्र

ए.डी.बेसिक डा. एस.पी. त्रिपाठी

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मनिराम सिंह

प्राचार्य डायट श्री केसी भारती

दैनिक जागरण ब्यूरोचीफ श्री रत्नेश शुक्ल

कैमरे की नजर में प्रतिभागी संबोधन

कैमरे की नजर में प्रतिभागी उद्बोधन

कैमरे की नजर में प्रतिभागी उद्बोधन

शैक्षिक गुणवत्ता कार्यशाला
स्थान:- प्रेस क्लब सभागार - बस्ती, दिनांक :- 19/05/2017, दिन:- शुक्रवार

मिशन शिक्षण संवाद - बस्ती
शैक्षिक गुणवत्ता कार्यशाला

श्री सुरेश पाण्डेय

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद
जनपद- जौनपुर

वन्दे मातरम्

लोहिया कला भवन (प्रेक्षागृह)

मिशन शिक्षण संवाद

उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में चहकता बचपन

मिशन शिक्षण संवाद टीम द्वारा
जनसहयोग से विकसित उत्तर प्रदेश के प्रमुख विद्यालय

मिशन शिक्षण संवाद

website . www.missionshikshansamvad.com
https://m.facebook.com/shikshansamvad/
https://www.facebook.com/groups/118010865464649/
https://www.shikshansamvad.blogspot.in
Twitter(@shikshansamvad):
https://youtu.be/aYDqNoXTWdc

शिक्षा का उत्थान — शिक्षक का सम्मान